04 - आपातकाल के मायने

05 - जब संविधान मौन हो गया था

06 - नपा अध्यक्ष ने लिया गंदे पानी भराव एवं रोड नाली की समस्या का जायजा

07 - ज्वेलरी एक्सपो में देश विदेश के नामचीन ज्वेलर्स ने लिया भाग

A Daily News Magazine

भोपाल

बुधवार, 25 जून, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 286, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

पाकिस्तान की छवि बदलने मुनीर ने बदल डाली विदेश नीति ?

नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान का फील्ड मार्शल बनने के बाद कट्टरपंथी सेनाध्यक्ष असीम मुनीर का पहला अमेरिकी दौरा पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना रहा क्योंकि इससे पहले किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने किसी देश के सेनाध्यक्ष को व्हाइट हाउस में लंच पर नहीं बुलाया था। वह भी ऐसे देश के सेनाध्यक्ष को जिसके तार अमेरिका और भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों में हुए तमाम आतंकवादी हमलों से सीधे जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान के करीब आने के अमेरिका के कारण जो भी हों मगर यह तो साफ दिख ही रहा है कि दोनों देशों के संबंध इस समय वैश्विक सुर्खियों में हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि अमेरिका के बदले हुए मन से उपजे अवसरों का पूरा लाभ लेने के लिए पाकिस्तान की सरकार और सेना इस समय काफी सक्रिय नजर आ रही है। असीम मुनीर और शहबाज शरीफ को दिन-रात अरबों डॉलर के सपने ही दिख रहे हैं इसलिए वह अमेरिका की जी-हुजूरी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की वैश्विक छवि को नया आकार देने और वॉशिंगटन के साथ संबंधों को मज़बूत करने के प्रयासों के तहत, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल जनरल सैयद आसिम मुनीर ने अमेरिका की अपनी एक सप्ताह लंबी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई महत्वपूर्ण अमेरिकी अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें कीं। मुनीर ने अमेरिकी रणनीतिक विशेषज्ञों, थिंक टैंकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ISPR के अनुसार, यह दौरा एक 'सुनियोजित कूटनीतिक प्रयास' था, जिसमें जनरल मुनीर ने वैश्विक और क्षेत्रीय हालात पर पाकिस्तान के 'सिद्धांत आधारित दृष्टिकोण' को साझा किया। मुनीर के अमेरिका दौरे के दौरान यह बात भी उभर कर आई कि सेनाध्यक्ष ने अपने देश की विदेश नीति को ही पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पाकिस्तान को हालांकि एक डर सता रहा है कि अमेरिका के ज्यादा करीब जाने से कहीं चीन ना नाराज हो जाये जोकि उसका मुश्किल समय का पुराना साथी है। इसीलिए पाकिस्तान ने तुरंत अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बीजिंग भी भेज दिया था ताकि चीन-पाक-बांग्लादेश गठजोड़ बना कर पुराने दोस्त को दोस्ती बरकरार रहने का विश्वास दिलाया जा सके।

मुनीर के अमेरिका दौरे पर और विस्तार से नजर डालें तो एक बात यह भी उभर कर आती है कि उन्होंने हाल के भारत-पाक सैन्य टकराव के दौरान पाकिस्तानी सेना के शौर्य को खूब बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। जनरल मुनीर ने पाकिस्तान की आतंकवाद विरोधी रणनीति को रेखांकित करते हुए 'मारका-ए-हक़' और 'ऑपरेशन बुंयानुम मर्सूस' जैसे सैन्य अभियानों का हवाला दिया। पाकिस्तान की इमेज का मेकओवर करने के प्रयास में उन्होंने अपने देश की भूमिका को 'आतंक के खिलाफ वैश्विक युद्ध में अग्रणी राष्ट्र' बताया और इस संघर्ष में जान गंवाने वाले सैनिकों व नागरिकों की कुर्बानियों को याद किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, बिना भारत का नाम लिए, उन्होंने 'कुछ क्षेत्रीय शक्तियों द्वारा आतंकवाद को हाइब्रिड युद्ध के औजार के रूप में इस्तेमाल करने' के खिलाफ चेतावनी दी। हम आपको बता दें कि यह एक ऐसा बयान है जिसके जरिये पाकिस्तान अक्सर कूटनीतिक भाषा में भारत की ओर इशारा करता है।

इसके अलावा, आर्थिक अवसरों पर जोर देते हुए मुनीर ने पाकिस्तान की आईटी, कृषि और खनिज संपदा में मौजूद निवेश के अवसरों को उजागर करते हुए इन्हें 'संयुक्त समृद्धि के इंजन' बताया और वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित किया। मुनीर ने अमेरिका और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा-आधारित पारंपरिक रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी में बदलने की वकालत भी की, जिसमें आपसी सम्मान और हितों की संगति हो। साथ ही, आतंकवाद विरोधी सहयोग और आर्थिक विकास के पुराने रिश्तों को विस्तार देने की बात की।

मुनीर के अमेरिका दौरे के राजनयिक संदेश और भू-राजनीतिक संकेत की बात करें तो आपको बता दें कि इस दौरे को ऐसे समय पर देखा जा रहा है जब पाकिस्तान बड़ी वैश्विक शक्तियों के साथ अपने संबंधों को पुनर्स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। भारत के अमेरिका के साथ बढ़ते सामरिक संबंध, अफगानिस्तान की अस्थिरता और आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि में, इस दौरे को पाकिस्तान की ओर से 'विश्वसनीय और ज़िम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति' के रूप में अपनी स्थिति पुनः स्थापित करने का प्रयास माना जा रहा है। ISPR के अनुसार, अमेरिका में विभिन्न थिंक टैंकों और विशेषज्ञों ने पाकिस्तान की खुली बातचीत और क्षेत्रीय स्थिरता में उसकी भूमिका की सराहना की। पाकिस्तान का कहना है कि मुनीर का यह दौरा आपसी विश्वास बहाली की दिशा में एक कदम माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका की प्राथमिकताएं इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की ओर केंद्रित हो रही हैं।

हम आपको यह भी बता दें कि एक ओर जहां मुनीर अमेरिका में मौजूद रह कर अपने देश के कूटनीतिक मिशन को आगे बढ़ा रहे थे वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी विदेश मंत्री से बातचीत कर अपनी सरकार का पक्ष रखा। सरकारी पाकिस्तान टीवी द्वारा 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, शहबाज शरीफ ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। बयान में कहा गया है कि गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने राष्ट्रपति की उनके साहसिक नेतृत्व के लिए प्रशंसा की और विदेश मंत्री रुबियो की सक्रिय कूटनीति की सराहना की, जिसने ''पाकिस्तान और भारत को संघर्षविराम समझौते पर पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के बारे में राष्ट्रपति ट्रंप के सकारात्मक बयान दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए सबसे उत्साहजनक हैं, जिसे पाकिस्तान और भारत के बीच सार्थक बातचीत शुरू करके ही संभव बनाया जा सकता है। सरकारी पाकिस्तान टीवी ने कहा, ''इस संदर्भ में शहबाज शरीफ ने जम्मू-कश्मीर, सिंधु जल संधि, व्यापार और आतंकवाद से निपटने सहित सभी लंबित मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत करने की पाकिस्तान की इच्छा दोहराई।'' बहरहाल, हम आपको बता दें कि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

खिसियाता फिर से देखो जून आ गया
खुरचा इतना ज़ख्मों को खून आ गया
ये चिराग यादों का रोज रगड़ते थे नाकाम
आखिर जिन्न उम्मीदों का
पैने कर नाखून आ गया
कोई ऐसा दिन तो नहीं था मन नहीं भीगा
कहने को फिर इतराता मानसून आ गया
तैयारी तो थी पूरी जिबहा
करने की उसको
भेड़ की किस्मत थी बदन पे
उसके ऊन आ गया
सबक याद किये पढ़ के पिछले भूल गये
अलिफ के पहले लिखते में नून आ गया
तय करके चलना था कैसे कहां पे जाना है
सफर के आखिर में अब
कैसे जुनून आ गया
बीते हैं दिन महीने साल गये
गुज़रे अच्छे गुज़रे
जाने को है ये भी जो पहले
जैसा जून आ गया ।

-सुधीर मोता

सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही ध्येय : मुख्यमंत्री

वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंगलवार को वाराणसी में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 25वीं बैठक में सहभागिता की। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही सरकार का मुख्य ध्येय है और हमारी सरकार इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि राज्यों के बीच समन्वय, विकास के विभिन्न आयाम, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केन्द्रित यह बैठक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सार्थक सिद्ध होगी।

बाइक में फंसा हाईटेंशन लाइन का तार, तीन जिंदा जल गए

तीनों एक ही परिवार के सदस्य दुर्गा मंदिर दर्शन करने जा रहे थे

बालाघाट (नप्र)। बालाघाट में बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से तीन लोग जिंदा जल गए। हादसा लांजी थाना इलाके में मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे हुआ। तीनों एक ही परिवार के सदस्य थे और बाइक से देवलगांव के दुर्गा मंदिर जा रहे थे।

मृतकों की पहचान सर्रा निवासी सेवकराम पांचे (30), उनकी पत्नी रेणुका पांचे (28) और भाई भोजराज पांचे (28) के रूप में हुई है। पूर्व सरपंच का कहना है कि शव करीब एक घंटे तक जलते रहे।

एसडीएम कमल चंद्र सिंहसार ने बताया- हाईटेंशन लाइन के ऊपर पेड़ की एक डाली गिर गई। इससे तार टूटकर सड़क पर आ गया। इसी दौरान

मंदिर जा रहे लोगों की बाइक उसमें उलझ गई। बिजली चालू होने की वजह से बाइक ने आग पकड़ ली। बाइक सवार तीनों लोगों को संभलने का भी मौका नहीं मिला। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री ने बालाघाट में हुई दुर्घटना पर किया दुःख व्यक्त

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट जिले के लांजी थानाक्षेत्र के ग्राम सर्रा के पास बाइक सवार तीन व्यक्तियों की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मृत्यु हो जाने की दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि बिजली दुर्घटना में तीन व्यक्तियों की दुखद मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजन को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

भारतीयों का खून बहाने वालों के लिए कोई भी ठिकाना सुरक्षित नहीं : पीएम मोदी

- आतंकवाद पर बोले पीएम मोदी, श्री नारायण गुरु के आदर्शों को किया याद

पीएम ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित श्री नारायण गुरु और महात्मा गांधी के बीच 100 साल पहले हुई ऐतिहासिक बातचीत के शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर भी खुलकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि 100 साल पहले दोनों की मुलाकात सामाजिक समरसता और विकसित भारत

के लक्ष्यों के लिए आज भी ऊर्जा के बड़े स्रोत का काम करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार,श्री नारायण गुरु के आदर्श पूरी मानवता के लिए बहुत बड़ी पूंजी हैं। जो लोग देश और समाज की सेवा के संकल्प पर काम करते हैं। श्री नारायण गुरु उनके लिए प्रकाश का प्रतीक साबित हो सकते हैं। मैं आज भी जब समाज के शोषित और वंचित वर्ग के लिए कोई बड़ा फैसला लेता हूं तो श्री नारायण गुरु को जरूर याद करता हूं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी में किये बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर तथा काल भैरव मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में सहभागिता के लिए वाराणसी प्रवास पर हैं। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भी भाग ले रहे हैं।

ईरान का बड़ा दावा-दुश्मन को हार मानने के लिए किया मजबूर

- इजराइल के बाद शिया देश ने भी सीजफायर का कर दिया ऐलान

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के बाद अब ईरान ने भी सीजफायर की घोषणा कर दी है। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान में कहा गया कि ईरान ने दुश्मन को पछताने और हार मानने के लिए मजबूर कर दिया। ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को ताजा हमले से भी इनकार किया है। ईरान के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने सरकारी टेलीविजन को दिए एक बयान में पिछले कुछ घंटों में इजराइल पर मिसाइलें हमले के दावों को खारिज कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जंग के 12वें दिन आज सुबह सुबह 7.48 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का ऐलान किया था। सुबह 10.38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा-अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें। ट्रम्प के बाद इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले रोकने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना का मकसद पूरा हो चुका है। हालांकि, सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद इजराइल ने ईरान पर मिसाइल हमले का आरोप लगाया था। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने भी सेना को ईरान पर जवाबी कार्रवाई का आदेश दे दिया। काट्ज ने सेना को तेहरान पर जोरदार हमला करने को कहा है।

ईरान-इजराइल युद्ध के चलते देशभर में 60 फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल युद्ध का असर भारत से मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर पड़ रहा है। बढ़ते तनाव और एयरस्पेस बंद होने से अब तक 60 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट की 48 फ्लाइट्स कैंसिल हुई हैं। इनमें 28 फ्लाइट दिल्ली आने और 20 दिल्ली से रवाना होने वाली थीं। जयपुर एयरपोर्ट से 6 फ्लाइट्स रद्द हुई हैं। इनमें मिडिल ईस्ट आने-जाने वाली 3-3 उड़ानें शामिल हैं। लखनऊ एयरपोर्ट से अबु धाबी और शारजाह जाने वाली 2 फ्लाइट को यूएई-कतर एयरस्पेस बंद होने से कैंसिल किया गया है। अहमदाबाद एयरपोर्ट आने वाली 5 फ्लाइट कैंसिल कर दी गई हैं। इनमें लंदन, अबु धाबी, दुबई, कुवैत और दोहा से आने वाली उड़ानें शामिल हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 41 °c | न्यूनतम 35°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 25 जून 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

यात्रीगण कृपया ध्यान दें..बढ़ने वाला है रेल किराया

● 1 जुलाई से महंगा हो जाएगा सफर ● एसी में 1000 किमी के सफर पर 20 रुपए ज्यादा लगेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल का सफर 1 जुलाई से महंगा हो सकता है। नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर और एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी गई है। सभी बदलाव 1 जुलाई से लागू होंगे। इस तारीख के बाद का टिकट बुक करने पर नई दरों से किराया चुकाना होगा। रेलवे ने आखिरी बार 2020 में यात्री किराया बढ़ाया था। कई सालों से रेलवे ने टिकट की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया था। रेलवे के सामने बढ़ते खर्चे और मेंटेनेंस की लागत को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। हालांकि, ये बढ़ोतरी बहुत मामूली है, ताकि आम

यात्रियों पर ज्यादा बोझ न पड़े। रेल मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों से पता चला है कि साधारण मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। वहीं, एसी क्लास में सफर करने वालों को 2 पैसे प्रति किलोमीटर ज़्यादा देने होंगे। ये बढ़ोतरी मामूली है, लेकिन इसका असर जरूर पड़ेगा। रेलवे ने पहले ही बदलाव के संकेत दिए थे।

तत्काल टिकट के लिए आधार होगा जरूरी

रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया है। 1 जुलाई 2025 से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। यानी आईआरसीटीसी की वेबसाइट या ऐप से तत्काल टिकट बुक करने के लिए आपका आधार कार्ड लिंक होना चाहिए। साथ ही, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के दौरान आधार-बेस्ड ओटीपी वेरिफिकेशन भी करना होगा। इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि तत्काल टिकट सही यात्रियों को मिले।

पुनर्वसु जोशी द्वारा अनुदित कहानी 'आर्मरी स्क्वेयर प्राइज' के लिए शॉर्टलिस्ट

इंदौर। पुनर्वसु जोशी द्वारा हिंदी कहानीकार मनोज कुमार पाण्डे की एक कहानी, 'किसान आत्महत्या आयोग से पत्र' के अंग्रेज़ी अनुवाद को अमेरिका से मिलने वाले आर्मरी स्क्वेयर प्राइज फॉर साउथ एशियन लिट्रेचर इन ट्रांसलेशन के शॉर्ट लिस्ट किया गया है। इसके अलावा, अनुदित कहानी, अनुवाद की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, Words Without Borders में छपेगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका से मिलने वाला आर्मरी स्क्वेयर ट्रांसलेशन प्राइज, दक्षिण एशिया के साहित्य को अंग्रेज़ी अनुवाद के ज़रिए बाक़ी दुनिया तक पहुंचाने का काम करता है। इस पुरस्कार की अंतरराष्ट्रीय जूरी में जानी मानी हस्तियां डेज़ी रॉकवेल, जेसन ग्रूनबॉम, अरुणव सिन्हा, दीना चलाबी, वी.वी. गणेशनाथन, पद्मा विश्वनाथन और पिया साहनी शामिल थीं। उल्लेखनीय है कि पुनर्वसु जोशी प्रख्यालत साहित्यकार, चित्रकार, चिंतक स्व. प्रभु जोशी के सुपुत्र हैं।

एनएसए डोभाल की चीनी विदेश मंत्री से मुलाकात

बीजिंग (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सोमवार को बीजिंग में चीन के स्टेट काउंसलर और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन के सुरक्षा सलाहकारों की 20वीं बैठक के मौके पर हुई। इस दौरान डोभाल ने साफ तौर पर कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए आतंकवाद के हर रूप का मिलकर मुकाबला करना जरूरी है। भारत के विदेश

मंत्रालय ने बताया कि बैठक में दोनों देशों ने आपसी रिश्तों की हालिया प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के नागरिकों के बीच संबंध बढ़ाने पर जोर दिया। इससे पहले दिसंबर 2024 में भी डोभाल और वांग ने बीजिंग में बैठक की थी, जहां कैलाश मानसरोवर यात्रा, ट्रांस-बॉर्डर नदी सहयोग और नाथुला ट्रेड जैसे मुद्दों पर 6 सहमतियों पर फैसला हुआ था। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई।

बम ब्लास्ट की धमकियां देने वाली लड़की चेन्नई से अरेस्ट

अहमदाबाद (एजेंसी)। देश भर में कई जगह बम धमाकों की धमकियां देने वाली महिला को चेन्नई से अरेस्ट कर लिया गया है। अहमदाबाद पुलिस की साइबर क्राइम यूनिट ने बताया कि महिला ने अपने प्रेमी को फंसाने के लिए देश के 12 राज्यों में बम की धमकी वाले ईमेल भेजे थे। इनमें

गुजरात के अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ब्लास्ट की धमकी भी शामिल है। प्रेमी को फंसाने के लिए रची थी साजिश चेन्नई की रहने वाली रेनी जोशील्डा रोबोटिक्स में ग्रेजुएट है और डेलॉयट में सीनियर कंसल्टेंट के तौर पर काम करती है। रेनी अपने ऑफिस के युवक से एकतरफा प्रेम करती थी लेकिन, वह युवक किसी और लड़की से प्रेम करता था। इसी साल युवक ने उस लड़की से शादी कर ली।

नए हथियारों से और ताकतवर हो जाएगी अपनी भारतीय सेना

● रॉकेट, मिसाइल, बम और टॉरपीडो...सभी खरीदने का ऑफर ● डीआरडीओ ने 28 नए हथियारों की खरीद का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-ईरान और रूस और यूक्रेन समेत दुनिया के कई देशों में जंग जैसे हालात हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय सेना को और पॉवरफुल बनाने की कोशिशें जारी हैं। इसी बीच रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने हाल ही में तीनों सेनाओं को 28 हथियार सिस्टम देने की पेशकश की है। ये हथियार इमरजेंसी खरीद के लिए हैं। केंद्र सरकार ने सेनाओं को ये अधिकार दिया है कि वे आपातकालीन स्थिति में नए हथियार खरीद सकते हैं। डीआरडीओ ने

रक्षा मंत्रालय को इस संबंध में एक लिस्ट सौंपी है। डीआरडीओ की लिस्ट में रॉकेट, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल, लेजर-टारगेट बम, टारपीडो शामिल हैं। इसके अलावा एयर डिफेंस मिसाइल और एंटी-टैंक मिसाइल भी मौजूद हैं। हेलीकॉप्टर से लॉन्च की जाने वाली और जमीन से लॉन्च की जाने वाली नाग मिसाइलें, रुद्रम एंटी-रेडिएशन मिसाइलें, नौसेना एंटी-शिप मिसाइलें और ग्रेनेड भी इस लिस्ट में हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, डीआरडीओ ने मॉडर्न हथियार सिस्टम की लिस्ट के साथ प्रोडक्शन एजेंसी के नाम भी दिए हैं जो इन हथियारों को बनाते हैं। साथ ही, यह भी बताया गया है कि सेनाएं अगले छह महीने से एक साल में कितने हथियार खरीद सकती हैं। सेनाएं इन एजेंसियों से हथियार खरीद सकती हैं। उदाहरण के लिए, पिनाका रॉकेट को सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड से खरीदा जा सकता है।

बनारस में अमित शाह की चार मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

● सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर 120 अधिकारियों के साथ मंथन ● रोहिंग्या-घुसपैठ रोकने पर भी चर्चा, सीमा विवाद पर भी हुआ मंथन

वाराणसी (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने काशी में 4 राज्यों के सीएम के साथ मीटिंग की। होटल ताज में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक हुई। इसमें यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी शामिल हुए। सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक में

विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े ऐसे मामले जो केंद्र सरकार के बिना नहीं सुलझ सकते... इन पर चर्चा हुई। साथ ही इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के अलावा भारत-नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामलों को लेकर चर्चा हुई।

पाक के दोस्त तुर्की के खिलाफ शुरू हुआ भारत का 'ऑपरेशन'!

● सबसे बड़े दुश्मन के घर पहुंचे भारतीय वायु सेना प्रमुख

एथेंस (एजेंसी)। क्या ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्की के खिलाफ भारत का ऑपरेशन शुरू हो गया है। ये सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि भारतीय वायुसेना के प्रमुख अमर प्रीत सिंह ग्रीस के दौरे पर पहुंचे हैं। ग्रीस और तुर्की के बीच के रिश्ते काफी खराब रहे हैं और लंबे समय से मांग उठ रही थी कि तुर्की को काउंटर करने के लिए भारत को ग्रीस के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने चाहिए।

ग्रीस पहुंचने पर भारतीय वायुसेना के प्रमुख एपी सिंह का स्वागत हेलेनिक एयर फोर्स के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल दिमोस्थेनीस ग्रिगोरियादिस ने किया। दिखने में यह यात्रा एक सामान्य सैन्य सहयोग का हिस्सा लग सकती है, लेकिन इसके राजनीतिक और रणनीतिक मतलब कहीं ज्यादा हैं। भारत और ग्रीस के बीच इनियोचोस 23 और इनियोचोस 25 नाम के बहुपक्षीय युद्धाभ्यास होते हैं। हालांकि तरंग शक्ति सैन्य अभ्यास के साथ दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध पहले से ही रहे हैं, लेकिन वायुसेना प्रमुख एपी सिंह के इस दौरे के समय और उसके मतलब ने तुर्की को चिंतित कर दिया होगा। यह वही तुर्की है जो पाकिस्तान का रणनीतिक साझेदार बना हुआ है और हाल ही में भारत विरोधी आवाजों के लिए एक प्रमुख मंच बना हुआ है।

दो युवकों का आधा सिर मूंडा, घास भी खिलाई

गंजम (एजेंसी)। ओडिशा के गंजाम जिले में गो-तस्करी के शक में दो दलित युवकों को बुरी तरह पीटा गया। उनका आधा सिर मुंडवाया गया। उन्हें घुटनों के बल रेंगने, घास खाने और नाली का पानी पीने के लिए मजबूर किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। घटना 22 जून को खारिगुमा गांव में हुई। पुलिस ने अगले दिन यानी 23 जून को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, सिंगीपुर गांव के रहने वाले बबुला नायक और बुलु नायक हरिऔर इलाके से दो गाय और एक बछड़ा अपने गांव ले जा रहे थे। खारिगुमा गांव में गो-रक्षकों ने उन्हें रोका। उनसे 30 हजार रुपए मांगे। मना करने पर पीटा। सैलून ले जाकर आधा सिर मुंडवाया।

वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर राज्यपाल पटेल ने माल्यार्पण कर नमन किया

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दो मिनट का मौन धारण कर रानी दुर्गावती का पुण्य स्मरण किया। रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस कार्यक्रम का आयोजन राजभवन के स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया था। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, जनजातीय प्रकोष्ठ के सदस्य सचिव श्रीमती जमुना भिड़े एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस विभाग को केन्द्र सरकार से मिला सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 13वें 'पासपोर्ट सेवा दिवस' पर मध्यप्रदेश पुलिस को पासपोर्ट सत्यापन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केंद्रीय विदेश एवं कपड़ा राज्यमंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा द्वारा सम्मानित किया जाना राज्य सरकार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अपने पदीय कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता, समर्पण और कुशल कार्यप्रणाली का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश पुलिस विभाग को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जिस फ्लैट में सोनम रुकी, उसका मालिक कोर्ट में पेश

● आरोपी बोला-छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा ● इंदौर क्राइम ब्रांच को भी नसीहत-बिना पूछे बयान न दें

इंदौर/ग्वालियर (एजेंसी)। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के बाद सोनम शिलॉन्ग से लौटकर इंदौर के जिस फ्लैट में रुकी थी, उसके मालिक लोकेंद्र तोमर को पुलिस ने ग्वालियर कोर्ट में पेश किया है। यहां उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। लोकेंद्र को ग्वालियर पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया था। पेशी के लिए जाते वक्त लोकेंद्र ने मीडिया से कहा- मुझे अभी आरोपों का पता नहीं है। छूटकर आऊंगा तो प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। इससे पहले पुलिस ने लोकेंद्र का मेडिकल चेकअप कराया गया। लोकेंद्र की बिल्डिंग के फ्लैट में सोनम 30 मई से 7 जून तक रुकी थी। उसने ये बिल्डिंग शिलोम जेम्स को किराए पर दी थी। पुलिस सोमवार शाम करीब 4.30 बजे ग्वालियर के गांधीनगर में एमके प्लाजा के फ्लैट नंबर 105 में पहुंची थी। प्लाजा के गार्ड ने बताया कि सिविल ड्रेस में चार लोग आए थे। उन्होंने गाड़ी दूर ही खड़ी कर दी थी। वे अपने साथ लोकेंद्र तोमर को ले गए हैं। मामले में इंदौर क्राइम ब्रांच के

एसीपी पूनमचंद यादव ने बताया था कि आरोपी विशाल चौहान के घर से हत्या के वक्त पहने गए कपड़े जब्त किए गए हैं। वहीं, शिलॉन्ग में राजा के शव के पास से भी एक शर्ट जब्त हुई थी, जिसे हत्यारे की बताया गया था। शिलॉन्ग पुलिस ने खुलासा किया था कि मौके से मिली शर्ट विशाल की ही है। इसके बावजूद इंदौर क्राइम ब्रांच विशाल के घर खून से सने कपड़े जब्त करने पहुंची थी। इसके अलावा आरोपियों ने मोबाइल नष्ट करने की भी बात कही थी। लेकिन एसीपी यादव ने खुले मैदान से सिम जब्त होने की पुष्टि भी कर दी है। जब शिलॉन्ग डीजीपी इदाशीशा नोंगरांग को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने एमपी के डीजीपी कैलाश मकवाना से बात की। उन्होंने इंदौर कमिश्नर संतोष सिंह तक मामले की जानकारी पहुंचाई। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद एक मीटिंग लेकर क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी, एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया और एसीपी पूनमचंद यादव को जमकर फटकार लगाई गई। साथ ही शिलॉन्ग पुलिस से बात किए बिना किसी भी तरह का बयान देने से मना कर दिया गया। राजा की हत्या के बाद इंदौर लौटी सोनम देवास नाका स्थित जिस फ्लैट में रुकी थी, उसमें उसने काले रंग का एक बैग भी छोड़ा था। शिलॉन्ग पुलिस इस बैग को तलाश रही थी।

लोकेंद्र के कहने पर ही जलाया था सोनम का बैग

सूत्रों के मुताबिक, लोकेंद्र तोमर के कहने पर ही सोनम का बैग जलाया गया था। इसकी पुष्टि प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स के मोबाइल में मिली चैट से हुई है। शिलोम जेम्स ने पूछताछ में बताया है कि जिस बिल्डिंग में सोनम ठहरी थी, उसे तीन लाख रुपए प्रति माह किराए पर लिया था। वहां अलग-अलग किराएदारों को ठहराता था। सोनम की गिरफ्तारी के बाद लोकेंद्र ने शिलोम पर दबाव बनाया था कि फ्लैट से तुरंत बैग हटाकर उसे जला दिया जाए। उसी बैग में राजा और सोनम के मोबाइल फोन सहित कई अहम सबूत थे। जले हुए बैग से जो सामान जब्त हुआ है, पुलिस उसकी फोरेंसिक जांच कराएगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि बैग के साथ और क्या-क्या सामान जलाया गया है।

भोपाल में रिमझिम, 31 जिलों में बारिश का अलर्ट

शिवपुरी में झरने फूटे, श्योपुर में सीप नदी उफान पर, बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के ऊपर से ट्रफ गुजरने की वजह से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। मंगलवार को रतलाम और भोपाल में मंगलवार को सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 31 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, गुना, अशोकनगर, रायसेन, विदिशा, अलीराजपुर, झाबुआ, भिंड और सिंगरौली में मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। वहीं, सीहोर, देवास, धार, इंदौर, उज्जैन,

शाजापुर, शिवपुरी, सागर, दमोह, नर्मदापुरम, टीकमगढ़, ग्वालियर, दतिया, नीमच, मंदसौर, निवाड़ी, रतलाम, रीवा, मऊगंज, सीधी, छतरपुर, पन्ना और अनूपपुर में भी बारिश होने का अलर्ट है।

शिवपुरी के झरने फूट पड़े

शिवपुरी में बारिश से पवा जलप्रपात बह निकला है। यहां लगभग 100 फीट की ऊंचाई से पानी गिर रहा है। भदैया कुंड में भी झरना पूरी रफ्तार से बह रहा है। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जिले के सभी जलस्रोतों पर प्रवेश रोक दिया है।

श्योपुर की सीप नदी उफान पर

श्योपुर में भारी बारिश के चलते मंगलवार को सीप नदी उफान पर आ गई। मानपुर और ढोढर के बीच की पुलिया पर पानी आ गया है। पुलिस ने यहां आवागमन पूरी तरह से बंद करा दिया है। काशीपुर, बालापुरा, हीरापुर, अल्लापुर समेत आसपास के कई गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।

प्रदेश में कोरोना से 5वीं मौत, ये सभी महिलाएं

- फेफड़ों में गंभीर सूजन थी, सांस लेने में हुई परेशानी, वैक्सीनेटेड लोग भी हो रहे संक्रमित

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस से 5वीं मौत हो गई है। भिंड निवासी 52 वर्षीय महिला के फेफड़ों में गंभीर सूजन थी, जिससे उसे सांस लेने में काफी परेशानी हो रही थी। ग्वालियर के एक अस्पताल में महिला का इलाज चल रहा था। जहां सोमवार रात उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक महिला को हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस (एक्यूट लंग इंजरी) थी, और वह कोविड-19 से भी संक्रमित थीं। इस साल कोरोना से मरने वाले सभी मरीज महिलाएं थीं।

पहले हुई 4 मौत

रतलाम- 52 वर्षीय महिला, जिन्हें टीबी, ब्रोंकाइटिस और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियां थीं। मौत 11 जून को इंदौर में इलाज के दौरान हुई।

खरगोन- 44 वर्षीय महिला, जिन्होंने हाल ही में एमटीएच अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। 6 जून को एमआरटीबी अस्पताल में मृत्यु हुई।

इंदौर- 74 वर्षीय महिला, जिन्हें किडनी की बीमारी थी। 27 अप्रैल को अरबिंदो अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हुई थी।

मंडला- नारायणगंज निवासी महिला की जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान कोरोना से मौत हुई। महिला गर्भवती थी और उसे डिलीवरी के लिए भर्ती कराया गया था।

एमपी में कुल 82 एक्टिव केस

कुल केस - 277
एक्टिव केस - 82
ठीक हुए- 190
मौतें- 5
(स्रोत- कोविड 19 डैशबोर्ड, 24 जून दोपहर 1 बजे तक)

छोला इलाके में छत से गिरा मासूम, मौत

- दो मंजिला मकान की रेलिंग से फिसला, खेलते समय हुआ हादसा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम एक हादसे में 18 महीने के मासूम की जान चली गई। वह अपने घर की छत पर खेलते समय रेलिंग की खाली जगह से नीचे गिर गया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेश चंद्र नागर ने बताया कि घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे की है। मृतक की पहचान 18 महीने के हनीफ खान के रूप में हुई है। हनीफ अपने पिता हामिद खान, मां और तीन साल की बहन के साथ छोला क्षेत्र में दो मंजिला मकान में रहता था। परिवार ने बताया कि शाम के वक्त हनीफ छत पर खेल रहा था। छत की रेलिंग में एक हिस्सा खुला था, जिससे होकर वह नीचे आंगन में गिर गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। आनन-फानन में बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। थाना प्रभारी नागर ने बताया कि बच्चे की मौत के बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छत पर रेलिंग अधूरी थी और वहीं से बच्चा फिसल गया। घटना के संबंध में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान

प्रदेश के 413 नगरीय निकायों में हुई जल सहेजने की गतिविधियां

भोपाल(नप्र)। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नगरीय क्षेत्रों में जल गंगा संवर्धन अभियान में सामूहिक जनभागीदारी से जल सहेजने के लिये 413 नगरीय निकायों में 30 मार्च से विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित हो रही हैं। इस कार्य में जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की। नगरीय निकायों में जल स्रोतों का संरक्षण व पुनर्जीवन, जनसामान्य में जल संचय और संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता का विकास, सामूहिक सहभागिता से स्थाई जल संरचनाएं विकसित करने के साथ ही नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्रोतों के जीर्णोद्धार का कार्य प्रमुख रूप से किया गया। नर्मदा नदी से लगे शहरी क्षेत्र में घाटों की मरम्मत और सफाई कार्य को प्राथमिकता दी गई। नगरीय निकायों में 3300 से अधिक जल स्रोतों को पुनर्जीवन दिया गया। नगरीय क्षेत्र के 2200 नालों की सफाई और पुर्नसंचालन की क्षमता विकसित की गई। प्रदेश में 4 हजार वर्षा जल संचयन संरचनाएं तैयार की गई। प्रदेश के प्रमुख नगरों में 32 अमृत जल संरचनाएं एवं 38 हरित क्षेत्र कार्य पूर्ण किये गये। नगरीय निकायों के कर्मियों ने शहरी क्षेत्रों में जल गुणवत्ता का परीक्षण फिजिकल, केमिकल और

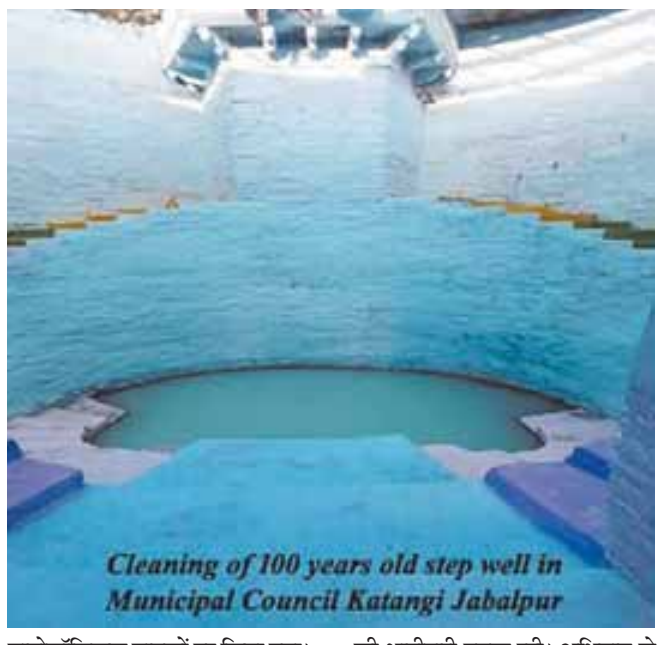

बायोलॉजिकल मानकों पर किया गया। मार्च 2025 से शुरू हुए अभियान में गर्मी के मौसम को देखते हुए नगरीय क्षेत्रों में 2700 सार्वजनिक प्याऊ और जल केन्द्रों की व्यवस्था की गई। इस पूरे अभियान में जनसहभागिता अभियान की आत्मा रही। अभियान में 70 हजार से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 341 कलश यात्राएं नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। इनमें महिलाओं की भागीदारी प्रमुख रही। अभियान से जुड़े 1000 जल नायक और जल मित्रों का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन किया गया। बच्चों और युवाओं में पानी की बचत, पेयजल स्रोतों के आस-पास सफाई और स्वच्छ पर्यावरण की भावना को मजबूत करने के लिये रंगोली, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताएं हुई। नगरीय क्षेत्रों में व्यापक पौधरोपण की शुरूआत भी की गई। शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिये वृक्षारोपण के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण की योजना भी तैयार की गई है। नगर परिषद कटंगी जबलपुर के वार्ड-12 में 100 वर्ष पुरानी बावड़ी में सफाई अभियान चलाया गया। इंदौर के कनाडिया में 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक माता अहिल्या बावड़ी के जीर्णोद्धार का कार्य जनभागीदारी से किया गया। देवास जिले के बागली की हाथी बावड़ी की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य किया गया। नगर परिषद बिजावर मे बावड़ी का जीर्णोद्धार कर नया स्वरूप प्रदान किया गया। रतलाम में नगर निगम ने महालक्ष्मी मंदिर के सामने स्थित बावड़ी की साफ-सफाई नागरिकों की भगीदारी से पूरी की। छतरपुर के घुवारा में जर्जर हालत में पहुंच चुकी बावड़ी का सौंदर्यीकरण कर नया स्वरूप प्रदान किया गया।

नागरिकों को दिलाई गई शपथ

नगरीय क्षेत्रों में अभियान में शामिल नागरिकों को पेयजल स्रोतों के पास भविष्य में भी साफ-सफाई रखने, पेयजल स्रोतों के आस-पास पौधरोपण और शहरी क्षेत्रों में बागीचों की सुरक्षा के साथ नितंर सफाई रखे जाने के कार्य में सहयोग करने की शपथ दिलाई गई। बगीचे की देखभाल में स्वसहायता समूहों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

शराब पीकर स्कूल पहुंची लेडी टीचर

स्टाफ से बोली- 12 बजा दूंगी, ये मेरी स्कूल, धार में 5वीं तक 150 बच्चों को पढ़ाती है

मनावर (नप्र)। धार जिले के एक सरकारी स्कूल में लेडी टीचर शराब पीकर पहुंची। वहां मौजूद स्टाफ ने टीचर से कहा कि दारू क्यों पीती हो तो हाथ जोड़ने लगी। जब स्टाफ ने शिकायत करने की बात कही तो लड़खड़ाते हुए कहने लगी- तुमने बोला तो मैं 12 बजा दूंगी, ये मेरी स्कूल है। मेरे सामने ज्यादा नाटक मत करना। लेडी टीचर का नशे में धुत स्कूल पहुंचने का वीडियो सामने आया है, जो 23 जून का बताया जा रहा है। मामला जिले के मनावर का है। टीचर कविता कवचे सिंघाना गांव के प्राइमरी स्कूल में पदस्थ है। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य जुवान सिंह बघेल ने वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की है। प्रधान अध्यापिका ममता राठौड़ ने बताया कि बच्चों से सूचना मिली थी कि मैडम ने ड्रिंक कर रखी है। हमने पहले भी इन्हें समझाइश दी थी कि अगर आपको पीना है तो घर पर पीजिए।

150 बच्चों को पढ़ाती है लेडी टीचर

स्कूल स्टाफ का कहना है कि लोडी टीचर रोजाना नशे में स्कूल आती है। कई बार समझाने के बावजूद उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। वह नशे में स्टाफ से अभद्र व्यवहार करती है। इससे बच्चों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कविता कवचे पांचवीं कक्षा तक के करीब 150 बच्चों को पढ़ाती है।

रोज शराब के नशे में पहुंचती है टीचर

ग्रामीण ने जब स्कूल के बच्चों से पूछा- क्या टीचर ने शराब पी है, इस पर उन्होंने बताया कि मैडम तो रोज ही नशे में रहती हैं। इस दौरान टीचर कविता ने मोबाइल छीनने की कोशिश भी की।

साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

52 लाख रुपए के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि बारिश का दौर शुरू हो गया है, इसलिए क्षेत्र में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने मंगलवार को भोपाल के वार्ड 65 में जनसंपर्क किया और 52 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन के दौरान अधिकारियों को यह निर्देश दिये। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि हमारा सतत प्रयास है कि जनहित से जुड़े हर कार्य को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने वार्ड 65 में आई.टी.आई. स्टाफ कैंपस में 5 लाख रुपए की लागत से निर्माण होने वाले सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। इस दौरान मौजूद आईटीआई के छात्रों से उन्होंने कहा कि आप देश का भविष्य है, इसलिए अपने अंदर

स्किल डेवलप करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि क्षेत्र में उन्होंने एक पार्क का निर्माण भी कराया जाए। गौतम नगर की बस्ती में 14 लाख 88 हजार की लागत से आरसीसी नाली एवं सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने गायत्री नगर में जनसंपर्क के दौरान क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। आदर्श नगर में जनसंपर्क के दौरान रहवासियों ने पेयजल, स्ट्रीट की लाइट स्थिति से अवगत कराया। चाणक्यपुरी में 5 लाख 57 हजार रुपए की लागत से होने वाले नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा यह कार्य क्षेत्र की स्वच्छता व जनसुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्रसाल नगर और भवानी धाम में जनसंपर्क कर रहवासियों की समस्याएं सुनी और त्वरित निराकरण किया।

आईएएस नियाज खान का बॉलीवुड पर हमला

कहा-क्या धर्म को प्रतिशत में बांटा जा सकता है, सनातन धर्म के लिए खतरा है बॉलीवुड

भोपाल (नप्र)। एमपी कैडर के आईएएस अफसर और नॉवेलिस्ट नियाज खान ने बालीवुड फिल्मों की डॉयरेक्टर, फिल्म प्रोड्यूसर और कोरियोग्राफर फराह खान द्वारा धर्म को लेकर दिए बयान पर हमला बोला है। फराह खान ने कहा है कि उनके बच्चे 50 प्रतिशत हिन्दू, 25 प्रतिशत मुस्लिम, 25 प्रतिशत पारसी और 100 प्रतिशत हिन्दू हैं। उनके बयान पर आईएएस नियाज खान ने टिप्पणी करते हुए लिखा है कि क्या ये संभव है? क्या धर्म को प्रतिशत में बांटा जा सकता है? बॉलीवुड सनातन धर्म के लिए बड़ा खतरा है लेकिन मेरे अलावा कोई नहीं बोलता। मंगलवार को एक्स पर ट्वीट कर नियाज खान ने यह बातें कहीं। उन्होंने आज ही एक अन्य ट्वीट में कहा कि यदि वेदों पर विश्वास हो तो हर कोई जानता है कि भगवान ब्रह्मा ने ब्राह्मणों को सर्वोच्च कार्य सौंपा था और वह है धर्म का कार्य। ब्राह्मणों को समाज के मार्गदर्शन के लिए भी बनाया गया था। ऐसे में अगर हम ब्राह्मणों से नफरत करते

हैं तो वह भगवान ब्रह्मा का अपमान है। निर्णय आपका है। 23 जून को खान ने ट्वीट में कहा कि पूरा सनातन धर्म ब्राह्मणों के सशक्त कंधों पर टिका है। ब्राह्मण कमजोर होगा तो सनातन धर्म कमजोर होगा। साथ ही यह भी लिखा कि कुछ भी हो जाए इंसानियत के साथ हमेशा खड़े रहना चाहिए। मन में नफरत रखने से व्यक्तित्व नष्ट होता है। 22 जून के ट्वीट में खान ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए ट्वीट में कहा कि आपके पास केवल दो विकल्प हैं, या तो आप विकास के नाम पर कांक्रीट का जाल चुन लें या पर्यावरण से प्रेम कर अपनी पीढ़ी के लिए खुशियां चुन लें। भौतिक विकास धरती को रहने लायक नहीं छोड़ेगा। आपकी पीढ़ी धरती का विनाश देखेगी। निर्णय आपका है कि आप वर्तमान का भौतिक विकास सुख चुनते हैं या विनाश। उन्होंने इसी को लेकर 21 जून को लिखा कि पौधे लगाना, वृक्षों को बचाना, पानी बचाना, शाकाहार अपनाना हर किसी के जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। यदि पर्यावरण बचेगा तो हम बचेंगे। धरती को बचाना हर किसी का धर्म है।

सड़क पर बहा दी अवैध शराब

आबकारी विभाग की कार्रवाई, पड़रिया गांव में महिला बना रही थी, हुई फरार

भोपाल (नप्र)। भोपाल में अवैध शराब बनाने और बेचने पर आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। मंगलवार को शांतिनगर, पड़रिया और हरिपुरा क्षेत्र में दबिश देकर कुप्पों में भरी शराब जब्त की। इसके बाद टीम ने शराब जब्त करके जमीन पर बहा दी। करीब 32 कुप्पों में भरी शराब जमीन पर बहाकर नष्ट की गई। आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया ने बताया कि भोपाल से करीब 12 किलोमीटर दूर शांति नगर में लखन बंजारा के घर दबिश देकर लगभग 15 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की गई। पड़रिया गांव में एक महिला के घर से 2 प्लास्टिक कुप्पी में करीब 25 लीटर अवैध हाथ भट्टी शराब जब्त की गई।

वहीं, 32 कुप्पों में भरी 500 किग्रा महुआ लाहन व शराब निर्माण सामग्री को बरामद कर कब्जे में लिया गया।

टीम को देख महिला फरार हो गई: कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची महिला भाग निकली। उसके यहां से करीब सवा लाख रुपए कीमत की शराब एवं अन्य सामान जब्त किए गए हैं। मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क एवं 34(1) च के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए हैं। कार्रवाई के दौरान वृत्त प्रभारी डॉ. सीमा कशीसिया समेत अमला मौजूद था।

पदोन्नति नियम जारी होने के बाद विभागों की मीटिंग बुलाई

जिस दिन जीएडी मीटिंग करेगा, मंत्रालय में उसी दिन कर्मचारी-अधिकारी करेंगे प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। मंत्रालय में पदोन्नति नियमों के विरोध में सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों, कर्मचारियों की मीटिंग में आंदोलन की रणनीति बनाई गई। नए पदोन्नति नियमों को लेकर सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सभी विभागों की बैठक 26 जून को बुलाई है। इस बैठक में पदोन्नति नियमों के मुताबिक विभागों की विभागीय पदोन्नति समितियों का गठन कर पहली बैठक जल्द से जल्द बुलाने कहा जाएगा।

दूसरी ओर नए पदोन्नति नियमों के विरोध में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा 26 जून को प्रदर्शन किया जाएगा। इसको लेकर मुख्य सचिव, एसीएस जीएडी और मंत्रालय के सुरक्षा अधिकारी को आंदोलन का नोटिस दिया गयाहै। आज इसको लेकर पदोन्नति नियमों का विरोध कर रहे अधिकारी कर्मचारियों ने मंत्रालय में बैठक कर कर्मचारी विरोधी गलत प्रावधानों की जानकारी भी दी।

एक ओर सामान्य प्रशासन विभाग ने नये पदोन्नति नियमों को लेकर विभागीय अफसरों की मीटिंग 26 जून को बुलाई है, दूसरी ओर मंत्रालय में पदोन्नति नियमों के विरोध में प्रदर्शन करने के लिए जीएडी को नोटिस दिया गया है। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने बताया कि पदोन्नति नियमों में सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों के हितों की अनदेखी किए जाने के कारण पीड़ित कर्मचारियों अधिकारियों में विरोध गहराता जा रहा है। इसी तारतम्य में आज मंत्रालय के सामान्य, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकारियों कर्मचारियों की एक मीटिंग हुई जिसे मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजी. सुधीर नायक और सपाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष केएस तोमर ने संबोधित किया। मीटिंग में नये पदोन्नति नियमों में अनारक्षित वर्ग विरोधी प्रावधानों से कर्मचारियों को अवगत कराया गया।

मीटिंग में तय हुआ कि बुधवार 25 जून को सभी पीड़ित कर्मचारी पदोन्नति नियमों के विरोध की टोपी पहनकर काम करेंगे। उसके बाद 26 जून गुरुवार को वल्लभ भवन क्रमांक 1 मेन गेट पर लंच टाइम में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। आंदोलन के आगामी चरण उसके बाद घोषित किये जायेंगे। आंदोलन का नोटिस आज मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग और सुरक्षा अधिकारी को दे दिया गया है। इधर जीएडी द्वारा बुलाई गई बैठक में पदोन्नति नियमों से जुड़े सवालों के जवाब भी सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी विभाग प्रमुखों को देंगे। जीएडी द्वारा बुलाई गई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहेंगे।

संपादकीय

लोकतंत्र के काले दिन के 50 साल

स्वतंत्र भारत में सत्ता स्वार्थ के चलते देश को आपात काल की जंजीरों में जकड़ने की घटना को इस साल पचास वर्ष पूरे हो रहे हैं। 19 माह का वह दौर देश आज लोकतंत्र के काले अध्याय के रूप में याद करता है। बहुतों का मानना है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती गांधी उनके निर्वाचन के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद अगर पद से इस्तीफा देकर नए सिरे से चुनाव करातीं तो शायद वो आज देश की सबसे सफल, महान लोकतंत्रवादी और प्रभावी प्रधानमंत्री होतीं। लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने वैसा नहीं किया और अपने खास सलाहकार पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे तथा पुत्र संजय गांधी के कहने पर पद छोड़ने की बजाए पूरे देश में इमर्जेंसी लगा दी। तर्क दिया गया कि देश को अराजकता से बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। बेशक तब देश भारी राजनीतिक और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा था, लेकिन आपातकाल लगाने का कोई औचित्य नहीं था। इससे श्रीमती गांधी की लौह महिला की छवि प्रभावित हुई। 'अनुशासन पर्व' के नाम जो जबरदस्तियां हुईं। तमाम विरोधियों को जेलों में ठूंस दिया गया। सब तरफ अमन चैन की झूठी तस्वीर पेश की गई। इसमें सबसे बड़ा अपराध तो लोगों के मौलिक अधिकारों के निलंबन का था, जो हमारे संविधान की सबसे बड़ी देन है। आपातकाल के उन 19 महीनों में सत्ता की निरंकुशता जो जायज ठहराने वाली ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिन्होंने उन स्वतंत्रता सेनानियों को भी हतप्रभ और चिंतित कर दिया, जिन्होंने अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए अपना जीवन होम कर दिया था। दुख की बात तो यह है कि यह सब तब घटा जब हमारा लोकतंत्र जवान हो रहा था। बेशक इंदिरा गांधी इस देश की सबसे मजबूत और दृढ़ संकल्पित प्रधानमंत्री थीं, लेकिन आपातकाल लगाकर उन्होंने देश को ऐसे गर्त में धकेलने की कोशिश की, जहां यह प्राचीन देश कभी भी नहीं जाना चाहेगा। हालांकि इंदिराजी को जनता ने अगले आम चुनाव में सत्ता से हटा दिया, लेकिन उनके विकल्प के रूप में जो नेतृत्व सामने आया, उसने और ज्यादा निराश किया। परिणामस्वरूप इंदिराजी 1980 में फिर सत्ता में लौटीं। उन्हें इस बात का अहसास भी हुआ कि आपातकाल लगाकर उन्होंने बहुत बड़ी गलती और लोकतंत्र की प्रतिबद्धता को छल किया है। उन्होंने इसके लिए माफी भी मांगीं। लेकिन इतिहास में वो लोकतंत्र का काला पन्ना दर्ज हो चुका था। इस दौरान उन्होंने कई ऐसे काम किए, जिसका औचित्य ठहराना मुश्किल है। मसलन इंदिरा गांधी सरकार ने आपातकाल के दौरान 48 अध्यादेश जारी किए, जिनमें आंतरिक सुरक्षा का रखरखाव अधिनियम (मीसा) में संशोधन के लिए पांच अध्यादेश शामिल थे। इस अधिनियम में प्रशासन को बिना वारंट किसी को भी हिरासत में लेने की शक्ति दी गई थी। गौरतलब है कि भारत में आपातकाल 25 जून, 1975 को लगाया गया था। कुल 21 महीने के आपातकाल में सरकार ने कई बार संविधान में संशोधन किया, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और स्पीकर के पदों के लिए चुनाव को अदालतों के दायरे से बाहर रखना और प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल करना शामिल था। उच्च न्यायपालिका की शक्तियां कम कर दी गई। हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ करने के बाद भी कांग्रेस जो तब सत्ता में थी, आज मोदी सरकार पर संविधान को खत्म करने अथवा बदलने का आरोप लगा रही है। जबकि भाजपा आपातकाल को 'लोकतंत्र की हत्या दिवस' के रूप में मना रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि अब लोकतंत्र पूरी तरह सुरक्षित हो गया है। लोकतंत्र पर खतरे अब नए रूप में हैं। लेकिन हमारी प्रतिबद्धता यही है कि देश में लोकतंत्र हर हाल में कायम रहे।

आपातकाल के मायने

25 जून 1975 की रात्रि देश में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार ने आपातकाल की घोषणा की थी तथा संविधान के मूल अधिकारों के खण्ड को निंलबित कर दिया था तथा न्यायपालिका के अधिकारों को भी निलंबित कर दिया गया था और समूचे देश में प्रेस सेंसरशिप लागू कर दी थी। कोई भी अखबार बगैर सरकारी अफ़सर के अनुमोदन के समाचार नहीं छाप सकता था।

नजरिया

रघुठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

25 जून की रात्रि में दिल्ली के रामलीला मैदान में आम सभा के बाद जयप्रकाश जी को गिरफ्तार कर लिया गया था तथा कई लाख राजनैतिक कार्यकर्ताओं को, जो विरोधी दलों के थे या सत्ताधारी दल में भी तत्कालीन सत्ता समूह के विरोधी थे, को भी गिरफ्तार कर जेलों में बंद कर दिया गया था। जिस आंतरिक सुरक्षा कानून के अंतगर्त ये गिरफ्तारियां की गयी थी उस कानून के बारे में देश में बहुत कम जानकारी थी। हालांकि इस कानून का इस्तेमाल 1974 में इसी भारत सरकार ने रेल हड़ताल तोड़ने के लिये रेल कर्मचारियों और उनके बीच में काम करने वाले मेरे जैसे समाजवादी कार्यकर्ताओं पर इस्तेमाल कर 7 मई 1974 को मीसा में गिरफ्तार किया था। इसलिये हम लोग इस कानून से परिचित हो चुके थे। परन्तु देश 1975 में जाकर ही परिचित हो पाया, जब स्व.संजय गांधी,व स्व.सिद्वार्थ शंकर रे की सलाह पर श्रीमति गांधी ने आपातकाल लगाने का निर्णय किया था, तब उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति स्व.फखरुद्दीन अली अहमद से देर रात्रि अनुमोदन लिया था तथा मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी अनुमोदन के बाद दी गई थी। ये दो घटनायें मैंने इसलिये उद्धत की है कि आपातकाल, तानाशाही या व्यक्तिशाही अचानक नही आती है बल्कि वह क्रमशः सत्ता के अति केन्द्रीकरण और प्रतिरोध न होने के चलते आती है। कल्पना करें कि अगर 1974 में जब रेल हड़ताल को कुचलने के लिये, हजारों कर्मचारियों और नेताओं को गिरफ्तार करने के लिये मीसा का प्रयोग शुरू हुआ था तभी अगर सरकारी पार्टी और देश के आम लोगों ने उसका विरोध किया होता तब शायद आपातकाल नहीं लगता। इसी प्रकार जब मंत्रीमंडल में प्रस्ताव लाये बगैर सीधे प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल की ओर से आपातकाल लगाने का निर्णय लिया था तथा राष्ट्रपति जी ने उस पर सहमति न देने का साहस दिखावा होता तो शायद आपातकाल रुक जाता और 1977 जिसमें श्रीमति गांधी और कांग्रेस पार्टी को जनता के द्वारा अपदस्थ होना पड़ा वह नही होता। संविधान के मानने की शपथ हर मंत्री और सांसद खुलेआम लेता है क्योंकि यह संवैधानिक अनिवार्यता है परन्तु उस शपथ के साथ जो दायित्व होते है उनका निर्वहन नहीं करता। और सत्ता के केन्द्र और षीर्ष की भक्ति व आरती उतारने का जो सिलसिला आपातकाल के समय शुरू हुआ था वह आज भी बदस्तूर जारी है। भले ही संविधान में आंतरिक आपातकाल के प्रावधान को हटा दिया गया हो परन्तु चाल-चलन यथावत है। सत्ताधारी दलों के जो लोग बाहर बंद कमरो में असंतोष व असहमति व्यक्त करते है अखबार वालों से ऑफ द रिकार्ड चर्चा करते हैं और कभी-कभी बाद में खण्डन मंडन करते है। मंत्रिमण्डल की बैठको या संसद में सत्तातंत्र की न केवल आरती उतारते हैं, बल्कि चारण बन जाते हैं। और यह असंवैधानिक आचरण ही लोकतंत्र के लिये सबसे बड़ा खतरा बन रहा है। देश में पैदा हो रही राजनेताओं, अफसरों, जनता की नई पौध जिसमें न कहने या असहमति व्यक्त करने का साहस नही है या जो अपने स्वार्थ में इतने गिर चुके हैं कि वे चरण वंदना को तत्पर है उनकी की यह प्रवृत्तियां ही 21 वीं सदी में देश के लोकतंत्र को गंभीर खतरा हो सकती है। अब लोकतंत्र को खतरा संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बल्कि सत्ता केन्द्रों के असंवैधानिक आचरण, भीरु व लालची नेता और जनता से है।

मैं आपातकाल में पूरे समय बगैर किसी पैरोल व छुट्टी के जेल में रहा हूं और सैकड़ों मित्र जो तत्कालीन समाजवादी पार्टी, जनसंघ, सी.पी.एम, बी.के.डी, जमाते इस्लामी आदि के थे, वे भी कम या ज्यादा अवधि के लिये जेल में साथ रहे थे। परन्तु बाद में इन मित्रो में तीन बीमारियां पैदा हो गई -

1. आमतौर पर सभी दलों के मीसाबंदियों ने और विशेषतरू पूर्व जनसंघ के पृष्ठभूमि वाले मित्रों ने आपातकाल की सत्ता की प्रवृत्तियों को विरोधी मानने की बजाय केवल तत्कालीन सत्ताधारी दल जो आज विपक्ष में है, को ही आपातकाल का पर्याय और स्थाई गुनहगार मान लिया है। तथा अपने राजनैतिक संबधों और हितों के चलते वे आज भी वही जुमले अपनाते हैं, जो 75 से 80 के बीच कहे जाते थे। हालांकि हालात में भारी बदलाव हुये हैं। 75 से 80 के बीच जो मित्रजन श्रीमति मेनका गांधी को स्व.संजय गांधी की पत्नी होने के नाते सबसे बड़ा आपातकाल का गुनहगार बताते थे अब वही मेनका गांधी भाजपा सरकार के केन्द्रीय मंत्रिमंडल में मंत्री रह चुकी हैं। और उनके बेटे श्री वरुण गांधी भाजपा सांसद रह चुके हैं। भाजपा की पृष्ठभूमि के मीसाबंदी कांग्रेस के वर्तमान नेतृत्व को अभी भी आपातकाल का अपराधी कहते हैं हालांकि वर्तमान नेतृत्व की कोई बड़ी भूमिका आपातकाल लगाने या उस दौर की घटनाओं में नहीं थी। श्री राहुल गांधी की उम्र तो उस समय शायद 5 या 6 वर्ष रही होगी और उनसे कम उम्र श्री वरुण गांधी की होगी। मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि, मीसाबंदियों को आपातकाल की याद करते समय अपने आक्रोश या आलोचना को चंद लोगों तक सीमित करने की जगह उन वैचारिक प्रवृत्तियों के विरुद्व मोड़ना चाहिये जिनसे आपातकाल जैसी स्थितियां पैदा होती है।
2. आजकल आमतौर पर अपवाद छोड़कर मीसाबंदी कितनी सुविधायें उन्हें और मिल सकती है इसी की खोज और मांग में व्यस्त रहते है। मैं जानता हूं कि, बहुत से मीसाबंदियों के परिवार आपातकाल में आर्थिक रुप से बरवाद जैसे हो गये थे। इन्दौर के काका दौलत सिंह जो मिल मजदूर थे तथा जिन्होंने एक दिन का भी पैरोल नही मांगा, और उनकी पत्नी ने भीख मांगकर कुछ दिन गुजारा किया और वे अर्ध विक्षिप्त जैसी हो गयी। उनकी बेटी के इलाज के अभाव में मृत्यु हो गई, ऐसे कई और भी उदाहरण है। परन्तु आपातकाल को गुजरे हुये आज लगभग 47 वर्ष हो रहे है और 47 वर्षों के पूर्व की तकलीफों के आधार पर मांग करते रहना, कुछ घटनायें छोड़ दें तो तार्किक नहीं लगता। वैसे भी हम लोग जो जेल गये थे अपने देश, लोकतंत्र और विचार के लिये गये थे इसीलिये पेरोल माफी से मुक्त रहे। हम इस उम्मीद के लिये जेल नही गये थे कि सरकारे बदलेगी तो हम मांगने वालों की पंक्ति में शामिल हो जायेंगे।

म.प्र. सरकार ने मीसाबंदियों को 25 हजार रुपया प्रतिमाह की राशि और अन्य कई सुविधायें दी है। इस प्रकार देश के कांग्रेस शासित या कांग्रेस के टूटे हुये धड़े जैसे ममता बेनर्जी आदि राज्यों को छोड़कर भाजपा, सपा, जनतादल, राजद, आदि शासित राज्यों में कम या ज्यादा पेंशन व सुविधायें मिल रही हैं। और सुविधाओं की मांग का अभी भी कोई अंत नहीं है। मीसाबंदी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ सुविधाओं की होड़ कर रहे हैं और जिस प्रकार कांग्रेस सत्ता ने स्वतंत्रता सेनानियों को और उनके परिवारजनों को चंद सुविधायें देकर उनके गौरवपूर्ण इतिहास को खत्म कर उन्हें सत्ता का दास बना दिया, आज उसी की पुनरावृत्ति भाजपा सरकार और मीसाबंदियों में नजर आ रही है। मीसाबंदियों के संगठन सत्ताधारी मंत्रियों या केवल दलीय नेताओं को बुलाकर उनके गुणगान करते हैं। जो मिल गया वह ठीक कुछ और दे दो कटोरा लेकर खड़े हो जाते हैं। न तो उनमें आत्म गौरव नजर आता है और न संघर्ष करने का माद्दा। मीसाबंदी केवल व्यक्ति नही थे, बल्कि अन्याय के खिलाफ लड़ने वाली प्रवृत्ति और जजवात थे। अब मीसाबंदी उस आत्मा को मार कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के समान कटोराधारी है। मुझे अपनी इस बिरादरी के इन हालातों पर आंतरिक पीड़ा होती है। मैं सभी मीसाबंदियों और उनके परिजनों के भोगे हुये कष्टों का सहभागी होते हुये उनसे अपील करना चाहता हूं कि वे अब इन नये सवालों के खिलाफ संघर्ष की तैयारी करें, जिनसे देश बिना आपातकाल के भी दुखी है।

1. विदेशी पूंजी निवेश-वॉलमार्ट और फ्लिपकार्ट जैसी आई विदेशी कम्पनियों का विरोध करें।
2. बेरोजगारी को समाप्त करने के लिये विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था, रोजगार मूलक विकास और बेरोजगारों के लिये बेकारी का भत्ता।
3. राजनैतिक क्षेत्र में, नैतिक मूल्यों की स्थापना और संरक्षण के लिये निष्पक्ष व्यक्ति के रुप से दलीय मोह से हटकर राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन।
4. भारतीय राजनीति को धन, कट्टरताओं, परिवारवाद व जातिवाद सभी साम्प्रदायिकताओं और अंधविश्वासों से मुक्त करा कर एक आदर्श लोकतंत्र की स्थापना के लिये प्रयास, जिसमें कोई तानाषाह या तानाशाही की प्रवृत्ति पैदा न हो सके।

मैं अपनी बात यह कहकर समाप्त करूँगा कि सरकारें और सत्ता देश और व्यक्ति को आमतौर पर बिगाड़ती हैं और जेल व्यक्ति को निखारती तथा देश को संवारती है।

आइये हम पुनः इस रास्ते का वरण करें जो इतिहास और जीवन का गौरवषाली काल था व होगा।

50 वर्ष -आपातकाल- लोकतंत्र का काला अध्याय

मुद्दा

हितानंद शर्मा

लेखक भाजपा मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं।

आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर 25 जून 1975 की आधी रात को देश पर थोपे गए 'आपातकाल' को 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की जनता ने तब तानाशाही के विरुद्ध स्वकतंत्रता की एक और लड़ाई लड़ी थी। इस बार लड़ाई अपने ही दिग्भ्रमित सत्तालोलुप नेताओं से थी, जिसमें देश एक बार फिर विजेता बनकर उभरा था। पिछले कुछ वर्षों से कुछ विपक्षी नेता अक्सर संविधान की प्रति हाथ में लेकर भाषण देते दिखाई देते रहे हैं। बात-बात में संविधान की दुहाई देने का क्रम चल रहा है। भारत के स्वरस्थि और मजबूत लोकतांत्रिक वातावरण में भी 'लोकतंत्र व संविधान बचाने' के लिए सभाओं के प्रहसन चल रहे हैं। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर यह अवसर है जब मुड़कर इतिहास को फिर से देखने की आवश्यकता है।

आपातकाल का निर्णय किसी युद्ध या आंतरिक विद्रोह के कारण नहीं बल्कि एक प्रधानमंत्री के लोकसभा चुनाव रद्द होने और अपनी सत्ता बचाने की हताशा में लिया गया राष्ट्र विरोधी निर्णय था। कांग्रेस पार्टी ने आपातकाल के इस क्रूरकाल में न केवल संवैधानिक ढांचे को कुचला बल्कि उसके द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भी भंग किया गया। 1971 के आम चुनावों में श्रीमती इंदिरा गांधी ने रायबरेली से जीत तो हासिल की लेकिन उनके निकटतम उम्मी दवार राजनारायण ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर चुनाव में भ्रष्टाचार और सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। इधर देश की अर्थव्यवस्था खराब स्थिति में थी। आर्थिक विकास दर केवल 1.2 प्रतिशत थी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था (आज 640 बिलियन अमेरिकी डॉलर है)। महंगाई चरम पर थी। मुद्रास्फीति की दर 20 प्रतिशत से भी ज्यादा थी। देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा जनता गरीबी रेखा के नीचे थी और जबरदस्त बेरोजगारी थी। भ्रष्टाचार की हालत ऐसी थी कि लाखों रुपए के घोटाले करने वाले मंत्री एवं सरकार से जुड़े नेताओं की रहस्य्य ढंग से हत्या हो रही थी। बिहार और गुजरात में छात्रों के नेतृत्व में नवनिर्माण आंदोलन चल रहा था। 8 मई 1974 को जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में देशव्यापी रेल हड़ताल हो चुकी थी। बिहार, गुजरात में राष्ट्रपति शासन के बाद कांग्रेस चुनाव हार चुकी थी। इस सबसे कांग्रेस की केंद्र सरकार परेशान हो चुकी थी।

12 जून 1975 को न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने निर्णय में इंदिरा गांधी की जीत को अवैध करार दिया और उन्हें 6 साल तक चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया। इस ऐतिहासिक निर्णय के बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रह सकती थीं। उनकी कुर्सी को गंभीर राजनीतिक संकट खड़ा हो गया। तेजी से बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता से घबराकर इंदिरा गांधी ने आंतरिक अशांति का बहाना बनाकर मंत्रिपरिषद् की अनुसंशा के बगैर ही राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद से अनुच्छेद 352 के तहत देश में आपातकाल लगाने की सिफारिश की, जिसे राष्ट्रपति ने 25 जून 1975 की आधी रात को मंजूरी दे दी। आज संविधान की प्रतियां हाथ में लहराने का नाटक करने वालों को यह स्मदरण रखना ही होगा कि आपातकाल वास्तथव में भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचलने का प्रयास था। यह संविधान की हत्याा की सोची-समझी रणनीति थी। इंदिरा गांधी ने 'आंतरिक अशांति' की आड़ लेकर संविधान के अनुच्छेद 352 का दुरुपयोग किया। जबकि न तो उस समय बाहरी आक्रमण या युद्ध की स्थिति थी, न विद्रोह ही हुआ था। आपातकाल किसी राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह एक डरी हुई प्रधानमंत्री की सत्ताा बचाने की जिद थी। संविधान की शपथ लेकर इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनी थीं, किन्तु उसी संविधान की आत्मा को कुचलते हुए एक झटके में उन्होंने लोकतंत्र को तानाशाही में बदलकर रख दिया और पूरी शासन व्यवस्था को कठपुतली की तरह उपयोग किया। कांग्रेस सरकार ने विधायिका और न्या यपालिका को बंधक बनाकर सत्ता के आगे घुटने टेकने को विवश कर दिया था। प्रेस की स्वतंत्रता पर कुठाराघात किया गया। बड़े-बड़े समाचार पत्र संस्थानों की बिजली काट दी गई। समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सेंसरशिप लगा दी गई और पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया।

21 महीने के आपातकाल का क्रूर समय नागरिकों पर हुए अत्याचारों की दारुण गाथा है। केंद्र के साथ-साथ अधिकतर राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी। ऐसे में जहां विरोध में स्वर उठे वहां क्रूरता के साथ दमन किया गया। लोकतंत्र में आस्था रखने वाली हर आवाज को दबाया गया। मीसा जैसे काले कानून में लगभग एक लाख लोगों को बिना किसी सुनवाई के जेलों में डाला गया। जयप्रकाश नारायण, अटलबिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह जैसे अनेक वरिष्ठ विपक्षी नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों यहां तक कि छात्रों तक को जेल में बंद करा दिया। जेलों में अमानवीय यातनाएं दी गईं। बीमार होने पर दवाएं तक नहीं दी गईं। महिला बंदियों के साथ असम्मानजनक और अमानवीय व्यवहार किया गया। आरएसएस, जनसंघ, एबीवीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर कांग्रेस द्वारा कठोर दमन चक्र चलाया गया।

'इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा' जैसे नारों से आपातकाल के समय में कांग्रेस ने देश को व्यक्ति पूजा और परिवारवाद की प्रयोगशाला बना दिया। किसी भी संवैधानिक पद पर और निर्वाचित जनप्रतिनिधि न होने पर भी संजय गांधी देश की नीतियों पर निर्णय ले रहे थे। वह आपातकाल में सत्ता का वास्तविक केंद्र बन चुके थे। देश के नागरिकों पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस आज भी इसी परिवारवाद के सीमित सांचे में सिमटकर रह गई है। इंदिरा गांधी की तानाशाही का सबसे भयावह चेहरा यह था कि उन्होंने अपने पुत्र के माध्यम से सत्ता को वंशवाद की जकड़ में पूरी तरह से कैद कर लिया था। यह सत्ता लोलुपता ही थी कि कांग्रेस ने लोकसभा का कार्यकाल 5 से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उन्हीं की तरह लाखों स्वयंसेवकों ने आपातकाल विरोधी आंदोलन जारी रखा। रातों-रात रेलों में आपातकाल विरोधी पर्चे बांटे, मीसाबंदियों के परिवारों की देखरेख की, भूमिगत रहते हुए आंदोलन की गति बनाए रखी और कांग्रेस की सच्चायई घर-घर तक पहुंचाई। अंततः जनाक्रोश और नागरिकों के बढ़ते दबाव के कारण जनवरी 1977 में चुनावों की घोषणा हुई और मार्च 1977 में हुए चुनावों में जनता पार्टी को जबरदस्त समर्थन मिला। इंदिरा गांधी स्वयं रायबरेली से चुनाव हार गईं। लोकतंत्र फिर प्रतिष्ठित हुआ। आपातकाल इतिहास की एक राजनीतिक घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि उस दूषित मानसिकता का प्रमाण है, जो संविधान और लोकतंत्र को केवल अपनी सत्ता पाने और बचाए रखने के लिए इस्तेमाल करती है। लोकतंत्र के साथ विश्वासघात करने के बाद भी कांग्रेस ने न तो कभी माफी मांगी और न ही कोई पश्चाताप ही प्रकट किया। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जनता को अधिकार देने के लिए जिस संविधान का निर्माण किया, कांग्रेस ने उसी को हथियार बनाकर जनता के अधिकारों को छीना। स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहली बार हुआ जब सरकार ने राष्ट्र के शत्रु नहीं राष्ट्र की जनता को ही बंदी बना लिया। आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय है। आपातकाल के समय को स्मरण करना इसलिए आवश्यक है, ताकि भविष्य में संविधान और लोकतंत्र को सुरक्षित रखा जा सके, क्योंकि यह प्रत्येक भारतीय का नैतिक दायित्व भी है।

ढाबा हो या किचन, पनीर का अतिक्रमण !

चटपटा चिंतन

सुनील शुक्ल

(लेखक एफटीआईआई पुणे से प्रशिक्षित स्वतंत्र वृत्तचित्र फ़िल्मकार और सक्रिय कला-प्रवर्तक हैं)

पिछले दिनों हम शहर के एक मशहूर रेस्तरां में गए। ख़ासतौर पर ये हिदायत देकर कि दो ऐसी सब्ज़ियाँ लाई जाएँ जिनमें पनीर न हो। मगर जनाब, जो सब्ज़ियाँ आईं एक आलू दम और दूसरी मिक्स वेज—दोनों में पनीर अपनी पूरी शिद्दत के साथ मौजूद था। मिक्स वेज में पनीर के टुकड़े और आलू दम में ऊपर से कद्दूकस किया हुआ पनीर। अब भला बताइए, ये क्या बात हुई?

शाकाहारी खाने में पनीर को एक ख़ास दर्जा हासिल है, लेकिन कई आहार विशेषज्ञ मानते हैं कि इसकी बेहिसाब घुसपैठ ने मौसमी सब्ज़ियों के ज़ायक़े और उनकी विविधता को नुक़सान पहुँचाया है। अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की पब्लिक लेक्चर श्रृंखला में भोपाल के खानपान पर बोलते हुए प्रसिद्ध इतिहासकार और खानपान विशेषज्ञ डॉ. पुष्पेश पंत ने यहाँ तक कहा कि शाकाहारियों ने पनीर को ख़्वाह-मख़ाह माँसाहार के विकल्प के तौर पर तवज्जो दी, जिससे पनीर का उपयोग बढ़ा और इससे सब्ज़ियों की क़िस्में और उनके स्वाद दोनों प्रभावित हुए।

1984-85 की बात है, जब हम दिल्ली गए थे। वहाँ यूसुफ़ सराय की सब्ज़ी मंडियों में भी पनीर बिकता था, जबकि भोपाल में उस दौर में दस नंबर मार्केट जैसी जगहों पर भी पनीर नहीं मिलता था—इसके लिए न्यू मार्केट जाना पड़ता था। आज हालात बिल्कुल उलट है। किसी भी रेस्तरां में जाइए, शाकाहारी मेन्यू में पनीरविहीन डिश ढूंढना मुश्किल हो गया है। पनीर बटर मसाला, कढ़ाही पनीर, शाही पनीर, मटर पनीर तो स्थायी निवासी हैं ही, ऊपर से मिक्स वेज, वेज कोल्हापुरी, पुलाव, बिरयानी—हर डिश में पनीर घुसा हुआ मिलता है। सलाद, छोले, भटूरे, मसाला पापड़, यहाँ तक कि मिठाइयाँ भी अब पनीर-मुक्त नहीं रहीं।

मौसमी सब्ज़ियों के नाम पर भी वही गिनी-चुनी पेशकश—आलू गोभी या गोभी मसाला, भिंडी फ्राई या कुरकुरी भिंडी या ज़्यादा से जयगा वेज कोफ़्ता या नवरतन कोरमा और इनमें भी पनीर घुसपैठ कर ही लेता है। बैगन, मेथी, पालक, सोया, पत्ता गोभी, करेला, कुंदरू, तुरई, परवल जैसी आम, पौष्टिक और स्वादिष्ट सब्ज़ियाँ नदारद हैं। क्यों? शायद इसलिए कि पनीर अब सुपर स्टार बन चुका है और बाक़ी सब्ज़ियाँ महज़ सपोर्टिंग किरदार।

दिलचस्प बात ये है कि कई जानकार पनीर को पूरी तरह शाकाहारी मानने को तैयार नहीं हैं। घरेलू या छोटे पैमाने पर बना पनीर तो ठीक है, मगर बड़े पैमाने पर बनने वाला पनीर अक्सर शुद्ध शाकाहारी नहीं होता। पारंपरिक रूप से पनीर जमाने के लिए 'रेनेट' नामक एंज़ाइम का इस्तेमाल किया जाता है, जो अमूमन बछड़ों के पेट से मिलता है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल उठता है—क्या ये वाक़ई 'शुद्ध' शाकाहार है?

हमें भी पनीर पसंद है और हर ख़ास मौक़े पर उसे थाली में होना चाहिए—इससे कौन इनकार करेगा। लेकिन जब हर डिश में वो बिन बुलाए मेहमान की तरह चला आए तो झुंझलाहट होना स्वाभाविक है।

ज़रूरत इस बात की है कि हम शाकाहारी शौकीनों की तरफ़ से रेस्टोरेंट्स में माँग करें कि मौसमी सब्ज़ियाँ—बिना पनीर के—भी पेश की जाएँ। जैसे आज हलाल, वीगन जैसे विकल्प आम हो गए हैं, वैसे ही 'नो पनीर वेज' का विकल्प भी रिवाज बन सकता है—अगर हम उसे वाजिब और ज़रूरी समझें।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

दबाव के किस्म-किस्म के दांव और बचाव की कला

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं

दबाव हो तो ट्रंप जैसा! दुनिया में ट्रंप ऐसी तासीर का ट्रंप कार्ड है कि वह दबाव बनाने और झूठ का बादशाह ,इक्का और गुलाम सब कुछ है । ट्रंप हजारों झूठ बोलने का रिकॉर्ड बना चुके हैं । वही समय-समय पर दबाव बनाने में भी महारत हासिल कर चुके हैं। ट्रंप का टैरिफ दबाव, सीजफायर का फायरिंग दबाव, इसराइल के दबाव के बाद ईरान पर लिया यूटर्न ऐसे अनेक दबाव है जो अंतरराष्ट्रीय दबाव की श्रेणी में आते हैं। लेकिन राष्ट्रीय दबाव के एनालिसिस में वे सब दबाव आते हैं जो सत्ता हासिल करने के लिए इस्तेमाल किए जाते है। सत्ता के लालच का दबाव ,बाहुबली और धनबल का दबाव जिसको बनाकर लोकतंत्र को हथिया जा रहा है। दबाव में होम स्तरीय , लोकल स्तरीय, जिला स्तरीय और प्रदेश राष्ट्रीय स्तरीय भी दबाव होते है । दबाव तरह तरह का होता है,कभी नेगेटिव,कभी पॉजिटिव ,कभी प्रेमेटिव , कभी डेमोक्रेटिव, कभी फोर्सटीव ,कभी मनी प्रेशर इतना कारगर होता है कि प्रेशर से हर किसी को पसीजना पड़ता है ।

खैर , दबाव की शुरुआत घर से करते हैं । जब भी पंडित शिवनारायण जी घर से निकलने के लिए कमर कसते हैं ,कमर का बेल्ट लगाकर नहीं, अंदर से दबाव भरी आवाज पंडिताइन की आती है अजी सुनो... ! खाना बनाने वाली आने वाली है , आटा पिसवा लाओ । उधर इतना कहकर पंडिताइन रील और सोशल मीडिया पर बीजी हो गई । उधर पंडित जी नगर में एक जरूरी काम का दबाव बनाने जा रहे थे कि पंडित जी के अजी सुनो ..के दबाव के आगे काम का दबाव दब गया और पंडित जी आटा के दबाव में और पंडिताइन डाटा के दबाव में आ गए !

पंडित जी जैसे ही आटा पीसने की थैली लेकर घर से निकले थे कि सुशील भैया आ गए और बोले पंडित जी आपके चेहरे पर पेशानी क्यों है ,कोई खास दबाव वबाव है, इस पर वे बोले देश की एक चौथाई से ज्यादा आबादी फेसबुक के दबाव में है ।देखो ना पंडिताइन अब लाइक बटन तक ही सीमित न रहकर सोशल मीडिया की ताकत से दब गई है और मुझे नून,तेल ,आटे के दबाव में लाकर पूरी गृहस्थी के दबाव में झोंक दिया है ।

इस पर सुशील भइया ने रुखसत की राह पकड़ ली लेकिन जैसे ही वह वहां से आगे बड़े सड़क पर वाहनों का दबाव था। सड़कों पर वाहनों के दबाव से सड़के उनका भार सहन नहीं कर पा रही थी। वाहनों के दबाव से सड़क ,सड़क पर आ गई थी ।सड़क परिवहन के दबाव होने से वाहन पार्किंग पर जाना चाहते थे लेकिन पार्किंग में वाहनों का दबाव था ।सड़क पर दबाव, पार्किंग में दबाव ,सड़क पर लाल हरी बत्ती के सेकंड सेकंड में दबाव से सुशील भइया ने जब वहां पलटना चाहा तो वाहनों के दबाव के आगे वे फंस गए ,जैसे तैसे गली कूचे से अगले चौराहे पर पहुंचे तो वहा एक मंच बना था ।मंच पर बैठने वालों का इतना दबाव था कि वह ,मचान, बन गया था।मंच पर लोग ही लोग थे ।लेकिन नीचे दो चार बैठे थे। कुर्सी वाले से सुशील भइया ने पूछा की कुर्सियां लगी है तो लोग मंच पर क्यों दबाव बना रहे हैं कुर्सी पर बैठना चाहिए था ।इस पर कुर्सी वाले ने कहा कि कुर्सी , दरी पर बैठने वालों के फोटो नहीं आते हैं और मंच पर गुत्थम गुत्था बैठकर ,गर्दन फंसा कर दबाव बनाने के बाद अगले दिन उनके फोटो सुर्खियों में होते हैं इसलिए सभी मंच पर दबाव बनाते हैं।कभी-कभार मंच पर दबाव की सांस फूल जाती है और कई धड़ाम से गिर जाते हैं लेकिन उन्हें गिरने से कोई गिला शिकवा नहीं होता है ,वे मंच पर दबाव बनाकर सुर्खियां बटोरने का मंचन करते हैं।सुशील भैया जैसे तैसे चौराहे के मंच के दबाव से फारिग होकर कॉलोनी की तरफ पलटे थे कि कॉलोनी की गली में सब्जी भाजी के ठेले का दबाव था, वाहनों के जमघट का दबाव था, किसी ने समान का दबाव बनाकर कॉलोनी की सड़क को आधा घेर लिया था ।कॉलोनी के दबाव वाले दृश्य को वे देख ही रहे थे कि कॉलोनी वाले किसी माननीय के ,किसी अधिकारी के ,किसी फिरोती वाले के दबाव के किस्से उन्हें सुनाने लगे ।दबाव के किस्सों से दबे सुशील भैया बोले हर जगह किस्म किस्म के दबाव के दांव और बोलबाला है। दबाव में जीना भी एक कला है।जिंदगी का एक हिस्सा है, दबाव से किनारा करें तो कैसे करें !

आपातकाल

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

जब संविधान मौन हो गया था

आपातकाल का आंतरिक पक्ष भारत के संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इंदिरा गांधी की सत्ता पर पकड़ 1971 के लोकसभा चुनावों के बाद और मज़बूत हुई, परंतु 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उनके चुनाव को भ्रष्ट आचरण के आधार पर अवैध घोषित किया गया। यह निर्णय एक संवैधानिक संकट बनकर उभरा। तभी जयप्रकाश नारायण द्वारा भ्रष्टाचार और निरंकुशता के विरुद्ध शुरू किया गया 'संपूर्ण क्रांति' आंदोलन गति पकड़ चुका था। रेलवे की ऐतिहासिक हड़ताल, छात्र आंदोलनों की श्रृंखलाएं, और देशभर में अशांति का माहौल सत्ता के लिए खतरे का संकेत बन गया। यह वह समय था जब इंदिरा गांधी ने स्वयं को 'राष्ट्र' के समकक्ष घोषित करते हुए कहा 'इंडिया इज़ इंदिरा एंड इंदिरा इज़ इंडिया।' उनके इस आत्ममुग्ध विश्वास में लोकतंत्र का बोध विस्मृत होता गया।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह अध्याय है, जब संविधानिक मर्यादाएँ, नागरिक अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सत्ता की संकीर्णता के नीचे कुचल दिए गए। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 25 जून 1975 की रात एक ऐसी तिथि बन गई जो दशकों तक लोकतांत्रिक चेतना को झकझोरती रही। उस रात तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की, जो अगले 21 महीनों तक लागू रहा। आधिकारिक कारण आंतरिक अशांति बताया गया, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी थी। यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि भारत के संवैधानिक ढाँचे, नागरिक स्वतंत्रताओं, विपक्षी दलों की भूमिका और मीडिया की आज़ादी पर एक क्रूर प्रहार था। किंतु, जैसे-जैसे समय बीतता गया, इस निर्णय की केवल आंतरिक नहीं, बल्कि बाह्य (अंतरराष्ट्रीय) परिस्थितियों और प्रभावों पर भी विमर्श गहराता गया।

आपातकाल का आंतरिक पक्ष भारत के संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं की अस्थिरता की ओर संकेत करता है। इंदिरा गांधी की सत्ता पर पकड़ 1971 के लोकसभा चुनावों के बाद और मज़बूत हुई, परंतु 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उनके चुनाव को भ्रष्ट आचरण के आधार पर अवैध घोषित किया गया। यह निर्णय एक संवैधानिक संकट बनकर उभरा। तभी जयप्रकाश नारायण द्वारा भ्रष्टाचार और निरंकुशता के विरुद्ध शुरू किया गया 'संपूर्ण क्रांति' आंदोलन गति पकड़ चुका था। रेलवे की ऐतिहासिक हड़ताल, छात्र आंदोलनों की श्रृंखलाएं, और देशभर में अशांति का माहौल सत्ता के लिए खतरे का संकेत बन गया। यह वह समय था जब इंदिरा गांधी ने स्वयं को 'राष्ट्र' के समकक्ष घोषित करते हुए कहा 'इंडिया इज़ इंदिरा एंड इंदिरा इज़ इंडिया।' उनके इस आत्ममुग्ध विश्वास में लोकतंत्र का बोध विस्मृत होता गया।

यही वह पृष्ठभूमि थी जिसमें एक ऐसे अधिनायकवादी दौर की नींव रखी गई, जिसमें संसद को नख-दंतविहीन बना दिया गया, न्यायपालिका पर दबाव बनाया गया, मीडिया पर सेंसरशिप लागू की गई और विपक्षी नेताओं को जेलों में ठूँस दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 352 का उपयोग कर नागरिक अधिकारों को निरस्त कर दिया गया और यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए यह कदम आवश्यक था। किंतु उस समय के कई विद्वानों, नेताओं और इतिहासकारों का मानना था कि यह निर्णय केवल सत्ता बचाने की एक रणनीति थी, लोकतंत्र बचाने की नहीं।

इसी काल में जो भूमिगत साहित्य तैयार हुआ, उसने न केवल इंदिरा शासन की निरंकुश प्रवृत्ति का पर्दाफाश किया, बल्कि भारतीय जनमानस की अंतःप्रेरणा को भी दस्तावेज़ किया। जॉर्ज फर्नांडिस द्वारा अमेरिका में प्रकाशित किया गया पर्चा 'द पॉलिटिक्स ऑफ़ इमर्जेंसी' इस संदर्भ में अत्यंत उल्लेखनीय है। उसमें उन्होंने बताया कि किस प्रकार आपातकाल ने भारत को 'फासिस्ट डिक्टेटरशिप' की ओर धकेल दिया और कैसे इसका राजनीतिक प्रतिरोध संगठित किया गया। इस तरह के भूमिगत प्रयास उस समय की प्रतिरोधक संस्कृति के अद्वितीय दस्तावेज हैं।

अब जब हम इस घटना के बाह्य पक्ष पर दृष्टि डालते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि आपातकाल सिर्फ एक आंतरिक राजनीतिक फैसला नहीं था, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन, रणनीतिक तनाव और भारत की भू-राजनीतिक स्थिति से भी गहराई से जुड़ा हुआ था। उस समय अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीतयुद्ध अपने चरम पर था। अमेरिका का उद्देश्य था कि दक्षिण एशिया में साम्यवादी प्रभाव को सीमित किया जाए और वह क्षेत्रीय सत्ता संतुलन पर नियंत्रण बनाए रखे। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।

इंदिरा गांधी पर आरोप था कि वे विपक्ष द्वारा किए जा रहे आंदोलनों के पीछे 'विदेशी हाथ' (खासकर अमेरिका) को देखती थीं। उन्होंने अनेक बार अमेरिका पर उनकी सरकार को अस्थिर करने के प्रयासों का आरोप लगाया। हालाँकि कई प्रख्यात इतिहासकारों जैसे रामचंद्र गुहा और बिपिन चंद्र ने इन आरोपों को इंदिरा गांधी की तानाशाही प्रवृत्ति को वैध ठहराने का प्रयास बताया, लेकिन अमेरिकी विदेश नीति के संदर्भों में देखें तो भारत उस समय वैश्विक शक्ति-राजनीति के कठघरे में खड़ा था।

शीतयुद्ध के दौर में अमेरिका की नीति रही कि वह उन सरकारों को समर्थन दे जो पूंजीवादी विचारधारा की पक्षधर हों और साम्यवाद के विरुद्ध खड़ी हों। कई नए दस्तावेजों और शोधों से यह बात सामने आई है कि अमेरिका ने दुनिया भर में अनेक चुनावों को प्रभावित किया और सरकारें गिराने या स्थापित करने में भी भूमिका निभाई। डेविड लिविस जैसे विद्वानों ने CIA के ऐसे गुप्त अभियानों का उल्लेख किया है जो विकासशील देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं।

दक्षिण एशिया में 1970 के दशक के मध्य में कई बड़े राजनीतिक घटनाक्रम हुए बांग्लादेश के शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या, पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो का पतन, नेपाल में पालेज़ कूप और श्रीलंका में उथल-पुथल, ये सभी उस दौर की अस्थिरता को रेखांकित करते हैं। अमेरिका की नज़र में इंदिरा गांधी साम्यवादी झुकाव के कारण संदिग्ध हो गई थीं, विशेषकर तब जब उन्होंने सोवियत संघ से निकटता बढ़ाई और बांग्लादेश युद्ध में अमेरिका के खिलाफ सैद्धांतिक मोर्चा लिया। यह भी एक वजह थी कि अमेरिका ने भारत में बढ़ती अस्थिरता को चुपचाप देखना उचित समझा।

सीआईए की गतिविधियाँ उस दौर में इतनी स्पष्ट हो चुकी थीं कि भारतीय विदेश मंत्रालय को अमेरिका में भारतीय राजदूत डेनियल मोयनिहान के माध्यम से सीआईए एजेंट्स को दिल्ली से हटाने का अनुरोध करना पड़ा। अमेरिका के तत्कालीन विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर ने 1975 में इंदिरा गांधी को एक पत्र में आपातकाल की आलोचना की और भारत की लोकतांत्रिक छवि के नुकसान की बात कही।

इसी क्रम में अमेरिकी पत्रकार सीमोर हर्ष ने 1977 में एक रिपोर्ट प्रकाशित कर सीआईए और भारत में एजेंट नेटवर्क के बीच संबंधों को उजागर किया।

ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि 'विदेशी हाथ' की चर्चा पूरी तरह मनगढ़ंत नहीं थी, बल्कि इंदिरा गांधी ने उसका राजनीतिक उपयोग एक सूक्ष्मता से किया। उन्होंने इस आशंका को अपनी पार्टी के भीतर असहमति को कुचलने और विरोधी दलों को 'विदेशी साजिश' का हिस्सा बताकर जनता की सहानुभूति अर्जित करने के लिए प्रयोग किया। यह एक प्रकार की राजनीतिक चाल थी, जिसे हम 'परसेप्शन मैनेजमेंट' कह सकते हैं। इन सभी पहलुओं को जोड़ने पर एक व्यापक परिदृश्य उभरता है, एक ऐसाॉ परिदृश्य जिसमें आपातकाल न तो केवल न्यायपालिका के विरुद्ध विद्रोह था, न केवल विपक्ष के आंदोलन को दबाने की चाल, और न ही पूरी तरह विदेशी साजिशों के डर का परिणाम। यह एक ऐसा मिश्रण था जिसमें आंतरिक राजनीतिक संकट, व्यक्तिगत सत्ता की रक्षा की चिंता, वैश्विक शक्ति संघर्षों की जटिलता और भारत की विदेश नीति की द्वंद्वात्मकता, सभी शामिल थे।

परंतु जो बात सबसे महत्वपूर्ण है, वह यह कि इंदिरा गांधी ने इस पूर्णतः अलोकतांत्रिक निर्णय के बावजूद 1977 में चुनाव कराए और हार स्वीकार की। यह भारतीय लोकतंत्र की असाधारणता थी कि जनता ने अपने मताधिकार से आपातकाल के दमन का उत्तर दिया और एक नई राजनीतिक चेतना का सूत्रपात किया।

आज जब हम पुनः उस दौर को याद करते हैं, तो यह सिर्फ इतिहास नहीं, चेतावनी भी है। यह बताता है कि लोकतंत्र केवल संविधान की धाराओं से नहीं, बल्कि जनता की सतत जागरूकता, स्वतंत्र संस्थाओं और मुक्त मीडिया से जीवित रहता है। आपातकाल केवल एक राजनीतिक प्रयोग नहीं था, वह एक दर्पण भी था जिसमें हमने देखा कि सत्ता जब अनियंत्रित होती है, तो वह किस प्रकार जनता के मौलिक अधिकारों को निगल सकती है। साथ ही, यह भी देखा कि जनता जब जागती है, तो वह सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है- बिना खड्ग, बिना ढाल, केवल मतपत्र की शक्ति से।

बहस/ दूसरा पहलू

अरूण कुमार डनायक

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाजसेवी हैं)

पाक लपेटे में आया तो चीन चुप नहीं रहेगा!

अजय बोकिल का विश्लेषण भू-राजनीतिक परिदृश्य की जटिलताओं पर गहन और विचारशील दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो उनकी अंतर्दृष्टि की प्रशंसनीय गहराई को दर्शाता है। फिर भी, इस जटिल परिदृश्य में ऐतिहासिक संदर्भ, कूटनीतिक सूक्ष्मताएँ और बहुपक्षीय प्रभावों का समग्र मूल्यांकन आवश्यक है। दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व की संवेदनशीलता को देखते हुए, अनावश्यक भय या युद्धोन्मुखी अनुमानों के बजाय एक संतुलित, संयमित दृष्टिकोण, जो सभी पक्षों के वैध सुरक्षा हितों का सम्मान करता हो, ही दीर्घकालिक शांति और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हाल ही में 'सुबह सवेरे' (18 जून 2025) में प्रकाशित अजय बोकिल का लेख 'क्या ईरान के बाद पाकिस्तान भी लपेटे में आएगा?' अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के जटिल और संवेदनशील विषय पर उनके गहन अध्ययन और गंभीर समझ का परिचायक है। लेखक ने ईरान-इज़राइल टकराव की पृष्ठभूमि में यह आशंका जताई है कि आने वाले समय में पाकिस्तान भी इज़राइल के संभावित निशाने पर आ सकता है। इस विश्लेषण में पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का स्वामित्व, उसका परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर रहना, कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों को उसका कथित समर्थन तथा आतंकी संगठनों की गतिविधियों को

(अजय बोकिल के पूर्व प्रकाशित लेख के संदर्भ में वैकल्पिक दृष्टिकोण)

प्रमुख कारण बताया गया है। लेखक का तर्क है कि ईरान के बाद पाकिस्तान का परमाणु कार्यक्रम वैश्विक चिंता का केंद्र बन सकता है।

यद्यपि इस प्रकार के विश्लेषण संभावित खतरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करते हैं, किंतु भू-राजनीतिक परिदृश्य प्रायः कहीं अधिक जटिल और बहुस्तरीय होता है। इसलिए पूरे विषय का आकलन करते समय कुछ अतिरिक्त पहलुओं पर विमर्श अपेक्षित है।

किसी भी राष्ट्र की परमाणु नीति का मूल्यांकन मात्र 'नो फर्स्ट यूज' नीति की अनुपस्थिति अथवा एनपीटी सदस्यता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम क्षेत्रीय सामरिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से विकसित हुआ है, किंतु इसकी पारदर्शिता तथा सुरक्षा संबंधी आशंकाएँ अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनी रहती हैं।

इसके विपरीत, इज़राइल, जो न एनपीटी का सदस्य है और न ही औपचारिक रूप से अपने परमाणु अस्त्रों को स्वीकार करता है, अपेक्षाकृत आलोचना से मुक्त रहता है। ऐसी असमानता वैश्विक परमाणु शासन की निष्पक्षता और नियम-आधारित व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न उठाती है।

भारत ने एनपीटी से बाहर रहकर भी अपने परमाणु कार्यक्रम का संचालन जिम्मेदारी और नियंत्रण के साथ किया है, जिससे उसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई। दीर्घकालिक वैश्विक सुरक्षा इसी में निहित है कि परमाणु नीति का आकलन सभी राष्ट्रों के लिए समान और वस्तुनिष्ठ मानकों पर आधारित हो।

लेख में पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला देश बताया गया है। इसमें संदेह नहीं कि पाकिस्तान की धरती से संचालित कई आतंकी संगठनों ने लंबे समय से भारत के विरुद्ध गतिविधियाँ चलाई हैं, विशेषतः पहले पंजाब में और अब कश्मीर में। किंतु इन गतिविधियों का अधिकांश दायरा भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय तनाव तक सीमित रहा है। पाकिस्तान से पश्चिमी दुनिया, विशेषकर इज़राइल के प्रति, कोई प्रत्यक्ष सैन्य खतरा या टकराव की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है।

ईरान का इज़राइल के साथ टकराव गहरा है, क्योंकि उसके समर्थित प्रॉक्सी (हिजबुल्लाह, हमास, हूथी) इज़राइल के खिलाफ सक्रिय हैं, जबकि पाकिस्तान और इज़राइल के बीच कोई प्रत्यक्ष सैन्य मुठभेड़ या ऐतिहासिक शत्रुता नहीं है। इसलिए, ईरान के बाद पाकिस्तान को इज़राइल का अगला सैन्य लक्ष्य मानना वर्तमान में संभव नहीं दिखता।

लेख में ईरान और पाकिस्तान के बीच हालिया 'बढ़ते भाईचारे' का ज़िक्र है। यद्यपि हाल के वर्षों में कूटनीतिक संवाद बढ़ा है, लेकिन शिया-सुन्नी मतभेद के कारण उनके संबंध ऐतिहासिक रूप से सीमित रहे हैं। वर्तमान में यह सहयोग मुख्यतः आर्थिक और क्षेत्रीय संवाद तक सीमित है, न कि सैन्य गठबंधन तक। पाकिस्तान ने भी ऐसे किसी गठजोड़ से साफ इनकार किया है। अतः इस आधार पर पाकिस्तान की रणनीति का व्यापक मूल्यांकन करना तर्कसंगत नहीं होगा।

पाकिस्तान लंबे समय से अमेरिका का गैर-नाटो सहयोगी रहा है, खासकर एशिया में अमेरिकी अभियानों के दौरान। इस शताब्दी के प्रारंभिक दशक में भारत के कूटनीतिक प्रयासों से अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कुछ तनाव के संकेत दिखे थे, लेकिन हाल के घटनाक्रम इन संबंधों में पुनः बदलाव के संकेत दे रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के पश्चात पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल मुनीर की अमेरिका यात्रा को कई विश्लेषक नए समीकरण के रूप में देख रहे हैं।

पाकिस्तान की यह स्थिति उसे ईरान के समान श्रेणी में रखने से अलग बनाती है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान का सामरिक महत्व, अफगानिस्तान से लेकर मध्य एशिया तक के क्षेत्रों में आज भी बना हुआ है।

पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति में चीन की भूमिका महत्वपूर्ण है, विशेषकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के माध्यम से, जो चीन की 'बेल्ट एंड रोड' पहल का प्रमुख अंग है और इसमें चीन का व्यापक निवेश शामिल है।

यदि कभी ऐसी काल्पनिक स्थिति उत्पन्न होती है कि इज़राइल पाकिस्तान पर सीधा सैन्य हमला करे, तो चीन की प्रतिक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। चीन की आर्थिक, सामरिक और क्षेत्रीय हितधारणा पाकिस्तान में गहरी है। उसके लिए पाकिस्तान में अस्थिरता सीधे उसके सामरिक व आर्थिक हितों पर आघात करेगी। ऐसे में चीन का मूकदर्शक बने रहना अत्यंत कठिन होगा।

दूसरी ओर, यह भी यथार्थ है कि इज़राइल अकेले चीन से सीधे टकराव का जोखिम नहीं ले सकता। इज़राइल के साथ भी चीन के आर्थिक और तकनीकी संबंध बढ़े हैं। अतः इज़राइल के लिए पाकिस्तान पर आक्रामक कदम उठाना केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह चीन जैसे महाशक्ति के साथ जटिल सामरिक समीकरणों में उलझ सकता है।

भारत के लिए यह पूरा परिदृश्य अत्यंत संवेदनशील है। भारत की नीति सदा क्षेत्रीय स्थिरता, संतुलित कूटनीति और परमाणु संयम पर केंद्रित रही है। उसकी 'नो फर्स्ट यूज' नीति इस नीति का प्रमुख अंग है। पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद के केंद्र में रखकर यदि वैश्विक शक्तियाँ दक्षिण एशिया में अतिरिक्त तनाव उत्पन्न करती हैं, तो यह स्वयं भारत के दीर्घकालिक हितों के लिए भी जोखिमपूर्ण हो सकता है। चीन-पाकिस्तान गठजोड़ और अमेरिका के पाकिस्तान के प्रति संभावित पुनर्संतुलन ने भारत को बहुपक्षीय कूटनीतिक चुनौती दी है। भारत को अब न केवल पाकिस्तान के साथ पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता, बल्कि चीन, अमेरिका, रूस और पश्चिम एशिया के नए समीकरणों के साथ रणनीतिक लचीलापन अपनाना होगा।

अजय बोकिल का विश्लेषण भू-राजनीतिक परिदृश्य की जटिलताओं पर गहन और विचारशील दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो उनकी अंतर्दृष्टि की प्रशंसनीय गहराई को दर्शाता है। फिर भी, इस जटिल परिदृश्य में ऐतिहासिक संदर्भ, कूटनीतिक सूक्ष्मताएँ और बहुपक्षीय प्रभावों का समग्र मूल्यांकन आवश्यक है। दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व की संवेदनशीलता को देखते हुए, अनावश्यक भय या युद्धोन्मुखी अनुमानों के बजाय एक संतुलित, संयमित दृष्टिकोण, जो सभी पक्षों के वैध सुरक्षा हितों का सम्मान करता हो, ही दीर्घकालिक शांति और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

ईरान-इजरायल ज़ंग

डॉ. सुधीर सक्सेना

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार हैं)

ईरान में तख्तापलट की फिराक में अमेरिका

हम जिसे होर्मुज जल डमरूमध्य के तौर पर जानते हैं; फारसी में उसे तंगेह-ए-होर्मुज़ कहा जाता है। यह फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला तंग यानि सँकरा, लेकिन महत्वपूर्ण सामरिक और व्यापारिक जलीय दर्रा है। योरोपीय और एशियाई, विशेषतः मध्यपूर्व के देशों के लिये जहाजरानी और कारोबार के मान से यह बड़ी अहमियत रखता है। विश्व में तेल और गैस की करीब 20 फीसद आपूर्ति इसी रास्ते होती है। भारत भी कतर, इराक, ईरान और सऊदी अरब से तेल और गैस की आपूर्ति के लिये मुख्यतः इसी जलडमरूमध्य पर अवलंबित है।

शनिवार की देर रात ईरान के इस्फहान, नतांज और फोर्दो के परमाणु, ठिकानों पर अमेरिकी बी-2 बमवर्षकों के धावे के बाद ईरान के सर्वोच्च शासक खामेनेई के सलाहकार और अखबारी शख्सियत हुसैन शरीयतमदारी ने दो टूक कहा है कि ईरान को अमेरिका के मध्यपूर्व में स्थित सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों से प्रत्यक्रमण करना चाहिये और तंगेह-ए-होर्मुज को अमेरिकी, ब्रिटिश, फ्रेंच और जर्मन जहाजों के लिये बंद कर देना चाहिये।

भूराजनीतिक और सामरिक समीकरणों को देखें तो यह नाकेबंदी तेहरान के लिये मुश्किल नहीं होगी, लेकिन तय है कि एक तो इससे अमेरिका की भृकुटि में और बल पड़ेंगे और तेल तथा प्राकृतिक गैस के कारोबार में जलजले के साथ ही इन जिंसों की कीमतों में उछाल आयेगा। जाहिर है कि इसका असर भारत पर भी पड़ेगा।

अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी है कि ईरान फारस की खाड़ी और ओमन की खाड़ी के इस मध्यवर्ती नौवहन मार्ग पर जहाजों की आवाजाही को छेंकेगा या नहीं, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी का खतरा जरूर मंडरा रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं रह गया है कि अमेरिका और इस्रायल की सैन्य जुगलबंदी के पीछे ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के साथ-साथ ईरान में तख्तापलट भी है। इस्रायल, अमेरिका और पश्चिमी लॉबी की मंशा है कि ईरान में कट्टरपंथी इस्लामी शासन का खात्मा हो। वैसे भी ईरानी अवाम अर्से से पाबंदियां

झेल रहा है। अमेरिका को अंदेशा है कि ताजा हालात में ईरान में सत्ता के खिलाफ असंतोष भड़क सकता है।

ईरान में तख्ता पलट की मंशा

ईरान में सन् 1979 में हुई इस्लामी क्रांति के बाद से मध्यपूर्व में समीकरण बदल गये हैं और अमेरिकी हितों को चोट पहुंची है। रजा शाह पहलवी के बाद जिस तरह से सत्ता धार्मिक शासक खुमैनी के हाथों में आई, उससे पश्चिमी ताकतों के हाथों के तोते उड़ गये। बनी सद्र को पेरिस में शरण का कोई नतीजा नहीं निकला और ईरान में मजहबी शासन के पाये साढ़े चार दशक में हिले नहीं। अब इस ताजा सैन्य अभियान के पीछे यही कूटनीति काम कर रही है, किंतु रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेद्वेदेव की यह फौरी प्रतिक्रिया मायने रखती है कि ट्रंप की कार्रवाई ने बूढ़े खामेनेई की सत्ता को सुदृढ़ किया है और जो लोग खिलाफ भी थे, वे ईरान की आजादी और संप्रभुता के नाम पर ईरानी सत्ता के पीछे एकजुट हो गये हैं। गौरतलब है कि ईरान के विदेश मंत्री अरागाची सोमवार को रूस के सर्वेसर्वा व्लादिमीर पुतिन से चर्चा के लिये क्रेमलिन पहुंच गये हैं। यह भी काबिले-गौर है कि ईरान-इस्रायल युद्ध में रूस, चीन और उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्र पूरी तौर पर ईरान के बगलगीर हैं और उन्होंने ईरान को परमाणु कार्यक्रम में सहायता देने की पेशकश की है। सारे प्रसंग से ऐसा प्रतीत होता है कि व्हाइट हाउस के जेहन में लीबिया में कज्जाफ़ी और इराक में सद्दाम हुसैन को अपदस्थ करने का प्रसंग ताजा है, मगर ईरान और लीबिया या इराक में फर्क है। बहरहाल, यूएनओ के महासचिव गुटारेस ने राजनय को एकमात्र उपाय बताया है और अमेरिका के पड़ोसियों-क्यूबा, वेनेजुएला और मेक्सिको ने अमेरिका की निंदा की है। निंदा तो 21 इस्लामी राष्ट्रों के संगठन ने भी की है, किंतु जार्डन और सऊदी अरब दुचित्ते हैं। इसी के चलते निंदा के बावजूद जार्डन ने जहां ईरानी द्रोन और प्रक्षेपास्त्र गिराये, वहीं सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने एयर स्पेस के उपयोग की अनुमति दी। इस बीच खबर है कि अमेरिका ने कतर के नौसैनिक अड्डे से अपने जेट विमानों का जखीरा हटा लिया है।

इस बीच एक बड़ी खबर है कि ईरान के ध्वस्त तीनों परमाणु ठिकानों में कहीं भी रेडियाधर्मिता फैलने की बात सामने नहीं आई है। इससे इस बात को बल मिलता है कि ईरान ने परिष्कृत ईंधन की खेप समय रहते हटा ली थी।

पांढुर्णा-मुलताई सीमा पर पलटा आम से भरा ट्रक

7 लाख के आम लूट कर ले गए लोग

बैतूल/मुलताई। नागपुर से आम भरकर भोपाल जा रहा एक ट्रक पांढुर्ना एवं मुलताई की सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गया, फिर क्या था देखते ही देखते आसपास के सैकड़ों ग्रामीण दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और आम लूटने की होड़ में लग गए। आम लूटने के प्रयासों में इतने व्यस्त हो गए कि यह देखना भी जरूरी नहीं समझा कि इस दुर्घटना में ड्राइवर और कंडक्टर नीचे फंस गए हैं। इस दुर्घटना की गंभीरता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि ट्रक ने हाईवे से नीचे उतरकर इतनी पलटी खाई कि ट्रक के दो टुकड़े हो गए। ड्राइवर और क्लीनर वाहन के नीचे दबे रहे। बाद में इन्हें निकाल लिया गया। दोनों को गंभीर चोट आई है। घायलों को मुलताई के अस्पताल ले जाया गया। बेहोशी की स्थिति में होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी थी। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में लदे 10 टन नीलम आम सड़क पर बिखर गए। जिसे स्थानीय लोग ने बोरियां भर-भरकर आम लूट ले गए। आम की कीमत 6 से 7 लाख रुपए बताई जा रही है।

स्वरोजगार मूलक योजनाओं का हितलाभ वितरण 27 को

बैतूल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष आतिथ्य में 27 जून 2025 को रतलाम जिले में आयोजित रीजनल इण्डस्ट्रीज स्कील एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव 2025 में उद्योगपतियों, निवेशकों, उद्यमियों द्वारा सहभागिता की जाएगी। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक रोहित डाबर ने बताया कि रतलाम जिले में आयोजित रीजनल इण्डस्ट्रीज स्कील एंड एम्प्लाईमेंट कॉन्क्लेव 2025 का लाइव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभा कक्ष बैतूल भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों में संचालित स्वरोजगार मूलक योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।

जंगली सुअर की तस्करी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। दक्षिण वन मंडल के भैंसदेही वन परिक्षेत्र के वन कर्मियों ने महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश में जंगली सुअर की तस्करी करते दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महाराष्ट्र के करजगांव निवासी रामकिशोर वट्टी (45) और अर्जुन फग्ना (40) को मथनी जोड़ पर पकड़ा गया। उप वन परिक्षेत्र अधिकारी ओम प्रकाश हरिदे ने बताया कि सोमवार को चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों को एक बाइक पर जंगली सुअर ले जाते हुए पकड़ा। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों को हिरासत में ले लिया। जांच में पता चला कि आरोपियों ने महाराष्ट्र स्थित अपने खेत में करंट लगाकर जंगली सुअर का शिकार किया था और उसे मध्यप्रदेश के गांव गार पठार में बेचने जा रहे थे।

नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी को भेजा जेल

बैतूल। बैतूल में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म का मामला सामने आया है। सारणी थाना क्षेत्र की 14 वर्षीय लडकी 8 जून को जन्मदिन पार्टी जाने के बहाने घर से निकली थी। वह रात तक घर नहीं लौटी। उस समय लड़की के माता-पिता मजदूरी के लिए भोपाल गए हुए थे। उन्होंने अपनी बेटी को दादी और बुआ के पास छोड़ा था। परिवार ने दो दिन तक खोजबीन की। माता-पिता को सूचना मिलने पर वे गांव लौट आए। 10 जून को सारणी पुलिस में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस की जांच में पता चला कि लडकी आरोपी रमन के साथ थी। रविवार को पुलिस ने दोनों को ढूंढ निकाला। पूछताछ में पता चला कि दोनों की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी। लडकी ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसके साथ रेप किया। पुलिस ने रमन को गिरफ्तार कर लिया है। उसका मेडिकल कराने के बाद जेल भेज दिया गया है। अजाक पुलिस की डीएसपी शिखा भलावी मामले की जांच कर रही हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरा में मोतियाबिंद जांच

परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर 1 जुलाई को

बैतूल। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल एवं चिरायु मेडिकल कॉलेज अस्पताल भोपाल के तत्वाधान में 1 जुलाई दिन मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरा में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक जिला स्तरीय मोतियाबिंद जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति प्रमुख गोपाल साहू , प्रहलाद साहू ने बताया कि इस शिविर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी एवं जिन आंखों में मोतियाबिंद पाया जाएगा।

नपा अध्यक्ष ने पार्षदों के साथ किया वार्डों का दौरा, समस्याओं को निपटाने के निर्देश

बीमारियों के रोकथाम के प्रयास, तेज जल स्रोतों के लिए सैंपल, हरदौली प्लांट की भी होगी जांच

बैतूल/मुलताई। नगरपालिका ने पवित्र नगरी में जल भराव की समस्या, मौसमी एवं जलजनित बीमारियों की रोकथाम के प्रयास तेज कर दिए हैं। नगरपालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर, पार्षदों एवं अधिकारी के साथ वार्डो का दौरा कर जल भराव, रोड नाली निर्माण, पाइप लाइन चेंबर में गंदे पानी के भराव का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रही है। नगरपालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने ताप्ती वार्ड पार्षद उर्मिला उबनारे के साथ ताप्ती वार्ड का दौरा कर उपयंत्री महेश शर्मा को रोड नाली निर्माण एवं पानी के चेंबर में भरे गंदे पानी और गंदगी को हटाए जाने के आदेश दिए हैं। वार्ड पार्षद उबनारे ने नपा अध्यक्ष को ताप्ती वार्ड में जल भराव, रोड नाली की समस्या और गंदे पानी की समस्या के साथ पाइप लाइन के चेंबर में भरने वाले गंदे पानी की समस्या से होने वाली बीमारियों की गंभीरता से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि ताप्ती एवं पटेल वार्ड में वर्षाकाल प्रारंभ होते ही वार्ड वासियों की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। जल भराव के चलते लोगों का घर से निकलना कठिन हो जाता है। वर्षाकाल के पूर्व जिसके व्यापक इंतजाम करना आवश्यक है।

सुधारी पाइपलाइन, लिए जा रहे हैं पानी के सैंपल

नगरवासियों को शुद्ध पेयजल प्राप्त हो सके, नगर पालिका इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास कर रही है। नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गडेकर ने बताया कि गांधी चौक के समीप नाली के संपर्क में आने वाली पाइपलाइन के रिसाव को ठीक कर लिया गया है। पीएचई की टीम संपूर्ण नगर में पानी के सैंपल ले रही है। अब तक पानी के लिए गए सैंपल संतोष जनक पाए गए हैं। इसके अलावा हरदोली फिल्टर प्लांट के भी सैंपल लिए जा रहे हैं।

ताप्ती वार्ड जल मार्ग पोर्शन में बनेगी सपोर्टिंग वॉल

स्टेशन क्षेत्र से ताप्ती सरोवर को जोडने वाले जल मार्ग के बाजू से बनने वाले सीमेंट कांक्रीट रोड का स्थान परिवर्तन किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि उक्त स्थान का जायजा लेने के बाद हमने पाया है कि अगर यहां सीमेंट कंक्रीट मार्ग का निर्माण होता है तो बगैर रिटर्निंग वॉल सपोर्ट के यह सीमेंट कंक्रीट रोड जल मार्ग में समा जाएगा। जिसके चलते उक्त स्वीकृत मार्ग ताप्ती वार्ड के दूसरे भाग में बनाया जाएगा और ताप्ती जल मार्ग में पहले सपोर्टिंग वॉल बनाई जाएगी। इसके बाद रोड का निर्माण होगा। अध्यक्ष ने ताप्ती वार्ड गंदे पानी के भराव को तत्काल हटाए जाने और पेयजल पाइपलाइन के चेंबर में गंदे पानी के भराव के सुधार के आदेश दिए हैं।

इनका कहना है –

ताप्ती वार्ड में स्वीकृत कांक्रीट रोड का स्थान परिवर्तन होगा। गांधी चौक के निकट स्थित पाइप लाइन का सुधार कर दिया गया है। पीएचई विभाग पानी के सैंपल ले रहा है। अब तक पानी की जांच संतोषजनक है। हरदोली प्लांट के पानी की सैंपलिंग भी की जाएगी।

–वर्षा गडेकर, अध्यक्ष नगपालिका मुलताई

गांधी चौक के समीप स्थित पाइपलाइन, जिसमें गंदे पानी का रिसाव हो रहा था, उसमें सुधार कर लिया गया है। नगर पालिका कर्मचारियों को हिदायत दी गई है कि गंदे नाली के संपर्क में आने वाले पाइपलाइन को तत्काल हटाया जाए और खराब होने पर बदलने की जानकारी दें।

– योगेश अनेराव, उपयंत्री, नगरपालिका मुलताई

ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा संपन्न

बैतूल। ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन (आइस्मा), नागपुर मंडल की वार्षिक आम सभा आमला स्टेशन पर आयोजन संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत संगठन गीत से हुई। कार्यक्रम केसी व्यास ज़ोनल अध्यक्ष, वीके पालीवाल और एके कटारे के आतिथ्य में संपन्न हुआ। संगठन के जोनल उपाध्यक्ष रविन्द्र दुरगकर, मंडल कोषाध्यक्ष लीलाधर गिरडकर एवं अन्य मंडल पदाधिकारियों मंचासीन रहे। कीरतगढ़ स्टेशन पर कार्यरत 30 जून को रिटायर्ड होने वाले एसके चौधरी, जो 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, को मंडल की ओर से विशेष रूप से गौरव सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वीके पालीवाल, कटारे एवं एमपी शुक्ला को नागपुर मंडल की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रेष्ठ संगठन पदाधिकारी पुरस्कार से टीआई बैतूल आरके गुप्ता, टीआई आमला डीके साहू, स्टेशन मैनेजर, पोलापत्थर आकाश पंथी, डिप्टी स्टेशन मैनेजर, आमला गोपाल कर्मी, स्टेशन मैनेजर, चिचोंडा विश्वास देशमुख को स्मृति चिन्ह सहित सम्मानित किया गया। सभा को अतिथियों, मंडल पदाधिकारियों ने संबोधित किया गया। स्टेशन मास्टर साथियों ने संगठन को मजबूत करने पर अपने सुझाव साझा किए। जिन पर सार्थक चर्चा हुई। आइस्मा की आमला एवं बैतूल शाखाओं की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया । वर्तमान मंडल सचिव नवनीत मधु की अस्वस्थता के चलते अनिल चतुर्वेदी को नागपुर मंडल का नवीन मंडल सचिव मनोनीत किया गया। जिसकी घोषणा जोनल अध्यक्ष केसी व्यास द्वारा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सेवानिवृत स्टेशन प्रबंधक वीके पालीवाल द्वारा, संचालन संजय जोशी द्वारा और आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष अनंत काकिरवार ने व्यक्त किया।

ग्राम कौड़िया में धरती आबा विशेष शिविर का आयोजन

शासन की जनहितकारी योजनाओं को एक मंच पर लाकर ग्रामीणों को किया लाभांवित

बैतूल। धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत ग्राम कौड़िया में मंगलवार को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शासन की जनहितकारी योजनाओं को एक मंच पर लाकर लगभग 150 ग्रामीणों को लाभांवित किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच रामदास सलामे ने कहा कि जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के लिए धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि आदिवासी और ग्रामीण समुदाय तक हर योजना की जानकारी तथा उसका लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। सरपंच

अनेदी सुनील उईके ने कहा कि धरती आबा शिविर के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं और वृद्धों के लिए समर्पित योजनाएं जैसे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन योजना, राशन कार्ड, जनधन योजना, आदि को सरल प्रक्रिया में लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। शिविर में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सरकार की योजनाओं का लाभ लिया और अपनी समस्याओं को भी जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा।

बुजुर्ग की मौत के बाद परिजन ने अस्पताल में मचाया हंगामा

डॉक्टरों पर लगाया गलत इंजेक्शन देने का आरोप

बैतूल। घोड़ाडोंगरी के ओझाढाना निवासी एक बुजुर्ग की सोमवार रात मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत पर परिजनों और ग्रामीणों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी के परिसर में जमकर हंगामा मचाया। परिजनों का आरोप था कि डॉक्टरों के लापरवाही और गलत उपचार के कारण बुजुर्ग की मौत हुई है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी, सारनी, पाथाखेड़ा और शाहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाईश दी। जिसके बाद पूरा मामला शांत हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को घोड़ाडोंगरी के ओझाढाना निवासी सिमरत पाखरे के सीने में दर्द उठा तो वह भतीजे मंगल पाखरे के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी पहुंचे। यहां उन्होंने डॉक्टर को सीने में दर्द होने की बात बताई। डॉक्टर ने इंजेक्शन लगाकर घर जाने का कह दिया। शाम को फिर बुजुर्ग को घबराहट होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि उपचार में लापरवाही के

कारण ही बुजुर्ग की मौत हुई है। सभी नारेबाजी कर डॉक्टर पर कार्यवाही किए जाने की मांग कर रहे थे।

अस्पताल में परिजनों द्वारा हंगामा किए जाने की सूचना मिलते ही घोड़ाडोंगरी पुलिस चौकी प्रभारी आम्रपाली, एसडीओपी शाहपुर मयंक तिवारी, तहसीलदार घोड़ाडोंगरी संतोष कुमार पथोरिया, रानीपुर टीआई, सारनी टीआई जयपाल इनावती, शाहपुर टीआई हॉस्पिटल पहुंचे एवं परिजनों को समझाइश दी गई। जिसके बाद परिजन शव को अस्पताल से पोस्टमार्टम रूम भेजने के लिए तैयार हुए। मंगलवार सुबह शाहपुर एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह, घोड़ाडोंगरी तहसीलदार संतोष पथोरिया और पुलिस बल की सुरक्षा में 2 डॉक्टरों की टीम द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया और जांच के लिए विसरा भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों खुलासा हो पाएगा।

इनका कहना है -

बुजुर्ग की मौत के मामले की जांच करवाई जा रही है। मरीज को तीन चिकित्सकों के द्वारा देखा गया था और पूरा उपचार भी दिया गया था, लेकिन मरीज की मौत हो गई। फिलहाल जांच के बाद ही कुछ बता पायेगे।

– डॉ. जगदीश घोरे, प्रभारी सीएमएचओ, बैतूल

शासकीय कन्या शाला गंज में चित्रकला, निबंध, नारे लेखन प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल। मेरा युवा भारत बैतूल, मध्य प्रदेश युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय भारत सरकार व उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के द्वारा 1 जून से 26 जून तक संयुक्त विभाग व समाजसेवियों के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 24 जून को शासकीय कन्या शाला गंज बैतूल में कलापथक विभाग द्वारा लोकगीत गाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया गया। इस अवसर पर चित्रकला, निबंध, नारे लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य ने

नशा ही नाश का कारण है। नशे से हमारे शारीरिक को आर्थिक और मानसिक नुकसान होता है। उन्होंने सभी को समझाइश दी गई कि समाज में फैली नशे की आदत को दूर करने का प्रयास करें। प्राचार्य ने बच्चों निवेदन किया कि हम नशा को अपने जीवन में प्रवेश नहीं करने देंगे। इस अवसर पर डॉ.महेश गुंजेले ने नशा से बचने के लिए बच्चों को समझाइए देते हुए बताया कि नशा कभी खत्म नहीं होता है। खत्म होने वाला केवल व्यक्ति ही है। इसलिए हमें इससे दूर रहने की आवश्यकता है। श्री धनंजय सिंह ठाकुर ने मेरा युवा भारत की जानकारी से अवगत कराया तथा नशे से दूर रहने के लिए युवा पीढ़ी को सजग होने की विशेष अपील की। इस अवसर पर शाला प्राचार्य ललित लाल लिलोरे, मेरा युवा भारत बैतूल से श्री धनंजय सिंह ठाकुर, आशीष पोखने, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, डॉ.महेश गुंजेले, कलापथक विभाग के नवल किशोर महोबे, संजय कलमे, शिव प्रसाद मोहरे, कृष्ण गोपाल बारमासे, अशोक कवडे, करण पवार, दीपक मर्सकोले उपस्थित थे।

ट्रेन की चपेट में आने से मटका व्यवसायी की मौत

बैतूल। रेलवे स्टेशन सदर अंडरब्रिज के पास भोपाल-छिंदवाड़ा पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांधी वार्ड, बैतूल बाजार निवासी 51 वर्षीय बसंत मालवीय के रूप में हुई है। जीआरपी प्रभारी रविश कुमार ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे हादसे में व्यक्ति ट्रेन के इंजन के पिछले हिस्से में फंस गया। लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन रोक दी। सूचना पर जीआरपी आरक्षक दिलीप नरवरे टीम के साथ मौके पर पहुंचे और रेल कर्मियों की मदद से शव को निकालकर जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बसंता की मां ने बताया कि मटके बनाने का काम करता था और पिछले दो-तीन महीनों से मानसिक रूप से बीमार था। नागपुर में उसका इलाज चल रहा था। जीआरपी ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण में कोताही न बरतें अधिकारी : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में कुल 200 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में गंभीरता पूर्वक निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत के निराकरण के लिए आवेदकों को बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में मुलताई तहसील के ग्राम बिहरगांव निवासी गवनसिंग राजपूत ने आवेदन के माध्यम से बताया कि अनावेदकों द्वारा शासकीय रास्ते को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते खेत में आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

ने मुलताई एसडीएम और नायाब तहसीलदार दुनावा को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार जनसुनवाई में भीमपुर के ग्राम चुनालोहमा निवासी सुखनंदन राठौर ने अनावेदकों द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने भीमपुर तहसीलदार को तत्काल शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाए जाने के निर्देश दिए।

भूमि नामांतरण किए जाने के दिए निर्देश: जनसुनवाई में प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम दतोरा निवासी सरोज पंडोले ने भूमि नामांतरण किए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार को नामांतरण किए जाने के निर्देश दिए। घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम धसेड़ निवासी ओझालाल ने अपने खेत से बने रास्ते को बंद किए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने घोड़ाडोंगरी जनपद सीईओ को प्रकरण के जांच के निर्देश दिए।

बीपीएल कार्ड बनाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में बैतूल मुख्यालय के विनोबा नगर निवासी प्रीति राठौर ने अंत्योदय पीला राशन कार्ड बनाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम जावरा निवासी रूपा चढ़ोकार ने आवेदन के माध्यम से गरीबी रेखा की सूची में नाम जोडक़र बीपीएल कार्ड बनाए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

कृषि भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटाने के लिए निर्देश

ग्राम बेलकुंड निवासी गोविंद तांडीलकर ने आवेदन के माध्यम से बताया कि अनावेदकों द्वारा उनकी कृषि भूमि पर अवैध कब्जा कर ठेके पर दे रहे है। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने आठनेर तहसीलदार को प्रकरण का निराकरण कर आवेदक को कृषि भूमि का कब्जा दिलाए जाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम झगडिया निवासी पूजा ने भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलदार बैतूल को प्रकरण के निराकरण किया जाने के निर्देश दिए।

ज्वेलरी एक्सपो में देश-विदेश के नामचीन ज्वेलर्स ने लिया भाग

देवास। मध्यप्रदेश की धरती एक बार फिर सुनहरे इतिहास की गवाह बनी जब जेडीडब्ल्यूए ने एआईजीएफ और सीएआईटी के समर्थन तथा ग्लैम बॉक्स के साझेदारी में दो दिवसीय ज्वेलरी एक्सपो का आयोजन किया। देश और विदेश के सैकड़ों नामचीन ज्वेलर्स ने इस आयोजन में भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन मध्य प्रदेश द्वारा भोपाल में आयोजित किया गया था जिसके मुख्य अतिथि विश्वास सारंग खेल मंत्री थे जिन्होंने कान्हा फन सिटी में ज्वैलरी एग्जिबिशन का उद्घाटन भी किया।

विशेष अतिथि मनोज कटारे बीजेपी कार्य समिति सदस्य भी उपस्थित थे। प्रथम दिन बड़े उत्साह और जोश के साथ प्रदेश के 40 जिलों से आए लगभग 1000 व्यापारियों ने उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और ज्वैलरी एग्जिबिशन में आए हुए बाहर के व्यापारियों से अपने व्यापार संबंधित जानकारियां ली और नए-नए आभूषणों का अवलोकन किया। शाम को ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन और एग्जीबिशन में आए हुए मुख्य व्यापारियों द्वारा आयोजित फैशन शो का भी आयोजन हुआ जो कि मप्र में पहली बार ज्वेलर्स डेवलपमेंट एसोसिएशन ने प्रायोजित किया था। व्यापारियों ने कार्यक्रम में नए अनुभव प्राप्त किया और उन्होंने अनुभव किया मानो हम मुंबई के किसी बड़े ज्वैलरी शो में भाग ले रहे हैं पहले दिन ज्वैलरी प्रदर्शनी पूरी तरह सफल रही। द्वितीय दिन मुख्य अतिथि रहे उनके समक्ष ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन मप्र महासचिव संतोष सराफ ने मप्र सहकारी ऋण मुक्ति अधिनियम की विसंगतियों के संबंध में व्यापारियों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया और मांग करी की साहूकार और सूदखोर में अंतर होना बहुत जरूरी है और नोटिफाई एरिया की नए सिरे से सीमांकन होना चाहिए। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंच से यह महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि मप्र के साहूकार कानून का सरलीकरण किया जाएगा, ताकि व्यापारियों को अनावश्यक अड़चनों से मुक्ति मिल सके। उन्होंने पारंपरिक व्यापार को नए युग की जरूरतों के अनुसार सशक्त बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नरेंद्र शिवाजी पटेल राज्य स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष महासचिव संतोष सराफ द्वारा व्यापारियों की सुरक्षा हेतु शस्त्र लाइसेंस की मांग की गई और कहा गया की बड़े शास्त्र के लाइसेंस को सरकार दे रही है, परंतु छोटे शस्त्र लाइसेंस की प्रक्रिया बहुत जटिल है। इसको सरल बनाया जाए, क्योंकि सोने एवं चांदी के भाव में भारी वृद्धि होने से लूट की डकैती की घटनाएं बढ़ रही है व्यापारी को अपनी सुरक्षा हेतु शस्त्र लाइसेंस दिए जाना आवश्यक है। उनके द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आपका प्रतिनिधिमंडल आकर के मुझे मिले हालांकि यह मेरा कार्य क्षेत्र नहीं है परंतु फिर भी मैं आपकी बात को माननीय मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष आवश्यक रखूंगा आप जितनी जल्दी हो सके अपना प्रतिनिधिमंडल लेकर मुझसे संपर्क कर ले।

प्रमुख अतिथि के रूप में दिल्ली से पधारे सांसद एवं सीएआईटी के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने भारत के रिटेल सेक्टर में हो रहे तीव्र परिवर्तन और उसमें ज्वेलरी व्यापार के भविष्य की दिशा पर प्रेरणादायी विचार साझा किए। उन्होंने एआई और डिजिटल टेक्नोलॉजी के युग में परंपरागत व्यापार को मजबूत करने की आवश्यकता जताई, और कहां की कोई भी समस्या के लिए आप मुझे अपनी समस्या बताएं मैं आपकी पूरी मदद करते हुए जिस विभाग का भी कार्य है उनके अधिकृत अधिकारियों से आपका अपॉइंटमेंट करवा के आपकी समस्या के जो भी समाधान होंगे उनके माध्यम से हल करने का प्रयास करूंगा विशेष अतिथि के रूप में विदिशा विधायक श्री प्रमोद टंडन जी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में एआईजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा (दिल्ली) तथा राष्ट्रीय महामंत्री नितिन केडिया (मुंबई) विशेष रूप से उपस्थित थे। जिन्होंने उद्योग से जुड़े प्रमुख मुद्दों को सबके सामने रखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर संगठन की भूमिका को रेखांकित किया। इस पूरी ऐतिहासिक पहल के प्रमुख सूत्रधार रहे जेडीडब्ल्यूए के महासचिव संतोष सर्राफ, जिनकी नेतृत्व क्षमता और दूरदर्शिता के बिना यह आयोजन संभव न हो पाता। उन्होंने इस कार्यक्रम को न केवल एक व्यापारिक मंच बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक संगम बना दिया। यह एक्सपो न केवल व्यापारियों के लिए एक सुनहरा अवसर बना, बल्कि मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल को एवं प्रदेश के समस्त सर्राफा व्यापारियों के व्यापार को एवं प्रदेश के ज्वेलरी उद्योग को भारत के मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिलाई। इस कार्यक्रम में ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष संजय जैन देवास एवं कोषाध्यक्ष कृष्ण मुरारी अग्रवाल हरदा ने आभार व्यक्त किया गया ज्वेलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन मध्य प्रदेश के इस दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 40 जिलों के 3500 व्यापारियों ने भाग लिया और नए आभूषण नई तकनीकी और नए-नए डिजाइनों के साथ अपने भविष्य के व्यापार की रूपरेखा तैयार की।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने विंध्याचल भवन में सहकारिता में निवेश प्रोत्साहन विंग का शुभारंभ किया।

एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने पिया कीटनाशक, 3 की मौत

देवास। जिले के उदयनगर थाना क्षेत्र के धोबघट्टा गांव से एक दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक ही परिवार के चार सदस्यों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इस घटना में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बेटी की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना रविवार देर रात की है, जब राधेश्याम पुत्र मदन (धोबघट्टा) ने पहले जहरीला पदार्थ खा लिया।

उसे देखकर पत्नी रंगूबाई ने भी आत्मघाती कदम उठाया। माता-पिता की हालत देख दोनों बेटियों– आशा और रेखा ने भी ज़हर का सेवन कर लिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों की मदद से चारों को इलाज के लिए खुड़ेल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने राधेश्याम और रंगूबाई को मृत घोषित कर दिया। सोमवार सुबह बेटी आशा ने भी दम तोड़ दिया। जबकि दूसरी बेटी रेखा की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह सामूहिक आत्महत्या एक पारिवारिक तनाव का परिणाम थी। राधेश्याम का बेटा पप्पू किसी युवती से प्रेम संबंध में था और हाल ही में घर छोड़कर कहीं चला गया था। युवती के परिजन लगातार पप्पू की तलाश कर रहे थे और परिवार पर दबाव बना रहे थे। इसी मानसिक तनाव के चलते राधेश्याम और उनकी पत्नी ने यह कदम उठाया, और बेटियों ने भी उनके साथ खुद को समाप्त करने की कोशिश की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मर्ग कायम कर जांच उदयनगर पुलिस को सौंपी गई है। रेखा के बयान और अन्य साक्ष्य के आधार पर घटना की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

मंत्री श्री सिंह ने मॉडल स्कूल की वार्षिक पत्रिका का किया विमोचन

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मंगलवार को मंत्रालय में मॉडल स्कूल टीटी नगर, भोपाल की वार्षिक शालेय पत्रिका 'प्रस्तुति' का विमोचन किया। मंत्री श्री सिंह ने इस मौके पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्कूल की वार्षिक पत्रिका बच्चों की प्रतिभा को निखारने का एक अच्छा माध्यम है। उन्होंने पत्रिका के प्रकाशन पर शाला प्रबंधन के प्रयासों की प्रशंसा की। स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रेखा शर्मा ने बताया कि शाला की वार्षिक पत्रिका में बच्चों की वर्षभर की खेल-कूद, सांस्कृतिक और प्रतिभाशाली बच्चों की उपलब्धियों का समावेश किया गया है। उन्होंने बताया कि पत्रिका में बच्चों के साइंस इनोवेशन, लेख और साहित्यिक रचनाओं को प्रमुख स्थान दिया गया है। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक करीब 2400 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। इस अवसर पर उप प्राचार्य श्री आर.के. श्रीवास्तव, व्याख्याता श्रीमती आशा वैश एवं व्याख्याता श्री शिशुपाल सिंह यादव उपस्थित रहे।

एमसीयू देश के टॉप टेन संस्थानों में हुआ शुमार

भोपाल। एशिया के पहले एवं भारत के सबसे बड़े विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय ने एक बार फिर देश के टॉप टेन संस्थानों में अपनी जगह बनाई है । देश की प्रसिद्ध मीडिया मैनजीन इंडिया टुडे एवं द वीक ने अपने सर्वे में एमसीयू को यह स्थान दिया है । जून के अपने ताजा अंक में इंडिया टुडे-मुद्रा सर्वे ने बेस्ट कॉलेज ऑफ इंडिया 2025 की रैंकिंग में एमसीयू को टॉप टेन में शामिल किया है । आपको बता दें विगत वर्ष भी विश्वविद्यालय टॉप टेन की सूची में रह चुका है । इसके अलावा एमसीयू ने बेस्ट कॉलेजेस ऑफ इंडियाज 2025 में छटवा स्थान प्राप्त किया है। वहीं टॉप टेन कॉलेजेस विथ बेस्ट वैल्यू फॉर मनी कैटेगरी में देश में चौथा स्थान हासिल किया है । देश की दूसरी प्रसिद्ध मीडिया मैगजीन द वीक-हंसा रिसर्च सर्वे 2025 में इंडियाज बेस्ट कॉलेजेस की श्रेणी में एमसीयू को टॉप टेन में शामिल किया गया है । खास बात ये है कि सर्वे में सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालय दोनों शामिल थे। इन दोनों ही सर्वे की सभी कैटेगरी में एमसीयू मध्यप्रदेश का एकमात्र सरकारी विश्वविद्यालय है जो सरकारी एवं निजी दोनों ही संस्थानों में टॉप पर रहा है । विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया । उन्होंने एमसीयू के शिक्षकों,अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को इसका श्रेय देते हुए सभी को बधाई दी ।

श्वेता ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर जिले को गौरवान्वित किया

विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर की हुई परीक्षा का रिजल्ट घोषित किया गया है। जिसमें विदिशा शहर की किले अंदर बक्सरिया निवासी श्वेता सोनी ने ओबीसी कैटेगरी में पेपर ए में प्रदेश में प्रथम रैंक हासिल कर जिले को प्रदेश में गौरवान्वित किया है। गौरतलब हो कि पत्रकार श्री अनिल सोनी की धर्मपत्नि श्रीमती श्वेता सोनी मुखर्जी नगर सेक्टर में 2017 से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। श्वेता ने बताया कि किसी भी परीक्षा को पास करने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ कडी मेहनत जरूरी है उन्होंने बताया कि विगत सात माह से इस परीक्षा के लिए तैयारी कर रही थी।

धरती आबा अभियान : 2531 हितग्राहियों को किया लाभान्वित

सीहोर (निप्र)। जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के उद्देश्य से जिले में संचालित किए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत सीहोर जिले के चिन्हित 80 गांवों में 15 जून से 30 जून तक दिनांकवार शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान के तहत जिले के चिन्हित गांवों में लगाए जा रहे शिविरों में अभी तक 2465 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इस अभियान के तहत चिन्हित किए गए सीहोर जिले के 80 गांवों के जनजातीय समुदाय के नागरिकों से अभियान के तहत दिनांकवार लगने वाले शिविरों में उपस्थित होने और योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। उन्होंने अपील की है कि सभी पात्र हितग्राही शिविरों में उपस्थित हों और पात्रतानुसार शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ लें, ताकि जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों का भी निरंतर विकास हो सके और कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

शिविरों में हितग्राहियों का आयुष्मान भारत योजना, केसीसी योजना, पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, मातृवंदना योजना, बाल आर्शीवाद योजना,

तेंदूपत्ता संग्रहण एवं बोनस योजना, एकलव्य योजना, दिव्यांग पेंशन प्रोत्साहन योजना, कल्याणी पेंशन योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, विश्वकर्मा योजना, पीएम सूर्यघर योजना, घरेलू कनेक्शन सब्सीडी योजना, पांच रूपये में नवीन विद्युत कनेक्शन योजना, पीएम आवास योजना सहित अनेक योजनाओं के लिए पंजीयन किया गया। पात्रतानुसार सभी पात्र हितग्राहियों को इन योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इसके साथ ही अभियान के तहत सभी पात्र हितग्राहियों का आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी, ई-केवायसी, जाति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रोफाइल पंजीयन एवं बैंक खाता खोलना सहित अनेक सेवाओं के लिए पंजीयन भी किया गया।

सिलवानी जनपद के ग्राम डोकरी में शिविर आयोजित

रायसेन (निप्र)। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक रायसेन जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को सिलवानी जनपद पंचायत के ग्राम डोकरी में शिविर आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही योजनाओं के स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए।

कलेक्टर ने कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेडल जीतने वाले और देश का नाम रोशन करने वाले कराटे खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि यदि दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर मेहनत की जाए तो सफलता निश्चित ही मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर आसीमित क्षमताएं होती है, बस अपनी उन क्षमताओं को पहचानना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे जिले में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, केवल उन्हें अवसर प्रदान करने की जरूरत

है। उल्लेखनीय है कि सीहोर स्थित मास्टर आफ ताओ कराटे एसोसिएशन के दो दर्जन से अधिक खिलाड़ियों ने नेपाल में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में पायल बागवान ने गोल्ड मेडल जीता है और सात अन्य खिलाडियों ने भी मेडल जीते हैं।

ड्रिप मल्चिंग योजना ने खोली किसान की समृद्धि की राह

सीहोर (निप्र)। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा खेती को उन्नत बनाने एवं किसानों के कल्याण और समृद्धि के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। ड्रिप मल्चिंग योजना भी उन्ही योजनाओं में से एक है। ड्रिप मल्चिंग योजना की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग तकनीक से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना और ड्रिप मल्चिंग जैसी उन्नत तकनीकों से जोड़कर जल

संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता तथा उत्पादन में वृद्धि को सुनिश्चित करना है। इस योजना में किसानों को सरकार द्वारा ड्रिप मल्चिंग तकनीक से खेती करने के लिए अनुदान दिया जाता है। ड्रिप मल्चिंग तकनीक में मिट्टी को प्लास्टिक से ढ़क दिया जाता है और पौधों की बूंद-बूंद से सिंचाई होती है। इस तकनीक से पानी की 50 से 60 प्रतिशत तक बचत होती है। उत्पादन में लगभग दोगुनी वृद्धि होती है और बेहतर गुणवत्ता वाली फसल का उत्पादन होता है। सीहोर जिले के ग्राम कोठरी निवासी किसान श्री प्रमोद कासनिया भी उन्हीं किसानों में से एक है जिन्हें इस योजना का लाभ मिला है।

नदियों के उद्गम स्थलों पर ध्यान देना जरूरी– पटेल

जल संचय हेतु पौधे लगाएं और संरचनाओं के निर्माण की अपील

विदिशा (निप्र)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार की प्रातः ग्यारसपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत घटेरा की ग्राम मुरझिरी में पहुंचकर बावना नदी के उदगम स्त्रोत की पूजा अर्चना कर सभी से जल संचय हेतु ऐसे पौधे लगाने और संरचनाओं का अधिक से अधिक निर्माण कर आने वाली पीढ़ी एवं समाज को देने का कार्य करें। पहाडियों की वादियों में बसा मुरझिरी गांव में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री पटेल ने कहा कि अब तक आने नदियों के उद्गम स्थल को देखा हूं किंतु सबसे अच्छी स्थिति यही बावना नदी के उदगम स्थल को देखने में मिली है ।

स्त्रोत को बचाए रखने के लिए लकड़ियों का परंपरा के मुताबिक बनावट देखकर मन प्रसन्नचित हुआ है। उन्होंने कहा कि हम नदी के पानी से मतलब रखते हैं समानता उद्गम की ओर ध्यान काम दिया जाता है उन्होंने आदिवासियों भाइयों के द्वारा नदियों के उद्गम स्थलों पर विशेष ध्यान दिए जा रहे कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की है उन्होंने कहा कि आदिवासी भाई किसी भी बहाने उद्गम स्थलों पर आना-जाना करते रहते हैं चाहे वह इस त्यौहार हो या पिकनिक के रूप में आयोजन

करना हो। उन सब की श्रद्धा और विश्वास युक्त कार्यो के संपादन से नदियों के अनेक जल स्त्रोत सूखने से बच रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि उद्गम स्थलों पर ऐसे पौधे लगाए जाएं जिनकी जड़ों से पानी मिल सके, हमारे प्रदेश में पौधे ही पानी देंगे पानी के लिए अन्य कोई स्त्रोत ऐसे नहीं है जो बारह माह नदियों के जल प्रवाह को बनाए रखें। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग के माध्यम ऐसे पौधे रोपित किए जाएं जो जल का संचय करे पौध रोपण अभियान में लगाएं जाने वाले पौधों की सुरक्षा पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के पहले तार फैंसिंग बाउंड्री वॉल का कार्य किया जाएं।

पंचायत एवं ग्रामीण् विकास मंत्री श्री पटेल ने प्रधानमंत्री जी की मंशानुरूप एक पौधा मां के नाम अभियान को प्रदेश में सफल बनाने के लिए पौधों की सुरक्षा प्रबंध अतिआवश्यक बताया है। उन्होंने पूर्व अभियानों में रोपित गए पौधों की सुरक्षा में आई कमियों को दूर करने की सीख दी है। उन्होंने सभी से अपील की ऐसे पौधे लगाए जाएं जिन से जल की प्राप्ति हो आन फानन में जल शोषण करने वाले पौधे उदगम स्थलों पर नहीं लगाएं जाएं यह सुनिश्चित कराने हेतु अधिकारियों को ताकिद किया है। कार्यक्रम के अंत में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच श्री जसवंत मीणा, ग्यारसपुर एसडीएम श्री मनोज उपाध्याय, जनपद सीईओ श्री जितेन्द्र जैन के अलावा श्री संदीप सिंह डोंगर, श्री कैलाश रघुवंशी, श्री कसान सिंह यादव, श्री प्रकाश लोधी, श्री दीनदयाल विश्वकर्मा के अलावा ग्रामीणजन व गणमान्य नागरिक और विभिन्न विभागो के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे

कुएं में गैसरिसी, 5 लोगों की मौत

गुना में बछड़े को बचाने 6 लोग उतरे थे; खटिया और रस्सी के सहारे निकाला

गुना (नप्र)। गुना में कुएं में गिरे बछड़े को निकालने उतरे 6 लोगों में से पांच की मौत हो गई। एक युवक हादसे से पहले खुद कुएं से बाहर आ चुका था। घटना धरनावदा गांव में मंगलवार सुबह करीब 10 बजे हुई। सूचना मिलने पर एसपी अंकित सोनी, जीएआईएल की सीआईएसएफ यूनिट, एसडीईआरएफ समेत पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। रेस्क्यू टीम ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर कुएं में उतरी और खटिया और रस्सी के सहारे 5 लोगों को कुएं से निकाला।

ग्रामीणों ने कलेक्टर की गाड़ी को घेरा

ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे कलेक्टर की गाड़ी को घेर लिया। उनका कहना है कि ग्रामीण इतनी दूर से पहले आ गए, जबकि धरनावदा पुलिस और एम्बुलेंस समय से नहीं आ पाई। दो लोगों को प्राइवेट एम्बुलेंस से अस्पताल भेजना पड़ा। दो घंटे तक प्रशासन नहीं पहुंचा। गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बताया कि कुएं में संभवतः कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस का रिसाव हुआ। पर अभी लैब टेस्ट करवा रहे हैं, उसके बाद ही और साफ हो पाएगा।

कुंआ 70 फीट गहरा, 12 फीट पानी

एसडीईआरएफ टीम के मुताबिक, कुएं में करीब 12 फीट पानी है। जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कतें आ रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि कुआं आम के बाग में बना है। मंगलवार सुबह ठेकेदार के लोग आम तोड़ने पहुंचे थे। इसी दौरान बछड़ा वहां आ गया। उसे भगाया तो वह कुएं में गिर गया। बछड़े को बचाने के लिए एक के बाद एक 6 लोग कुएं में उतरते गए। पवन पिता ग्यारसी राम कुशवाह कुएं से पहले ही बाहर निकल आया था।

इन लोगों की मौत

- सिद्धार्थ सहरिया पुत्र दिमान सिंह (25)
- गुरुदयाल ओझा पुत्र गंगाराम ओझा (40)
- शिवचरण साहू पुत्र भंवर लाल साहू (40)
- सोनू कुशवाह पुत्र पप्पू कुशवाह (28)
- मन्नू कुशवाह पुत्र श्रीकृष्ण कुशवाह (35)
- एक युवक के परिजन पोस्टमॉर्टम नहीं कराने पर अड़े
- प्रशासन की समझाइश के बाद चार शवों के पोस्टमार्ट्म हो गए हैं। एक मृतक के परिवार वाले शव का पीएम नहीं कराने दे रहे। उन्हें समझाइश दी जा रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह भी हॉस्पिटल पहुंचे हैं।

सरकार खरीदेगी 3.51 मीट्रिक टन मूंग, केन्द्र ने दी मंजूरी

शिवराज बोले- खरीद व्यवस्था ठीक हो, ताकि बिचौलियों की सक्रियता कम हो

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मूंग खरीदी शुरू न होने से किसान आंदोलित थे। कांग्रेस भी इस मामले में लगातार सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाए हुए थी। अब केन्द्र सरकार ने मप्र में 3 लाख 51 हजार मीट्रिक टन मूंग खरीदी की मंजूरी दी है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मूंग, उड़द की मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद करने की बात कही है। शिवराज ने एमपी और यूपी के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग कर खरीदी के मामले पर चर्चा की। बैठक में मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। शिवराज ने खरीद से संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर राज्य के कृषि मंत्रियों और नेफेड, एनसीसीएफ व राज्य के संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

पीएसएस योजना से होगी मूंग-उड़द की खरीद: मध्य प्रदेश के लिए राज्य सरकार से मिले प्रस्ताव पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकार और अन्य हितधारकों के साथ बैठक के बाद मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत मप्र में ग्रीष्मकालीन मूंग, ग्रीष्मकालीन उड़द खरीद करने की मंजूरी प्रदान की है।शिवराज ने एमपी, यूपी के कृषि मंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग कर खरीदी के मामले पर चर्चा की।

मूंग खरीदी से केन्द्र पर आएगा बड़ा वित्तीय भार: शिवराज सिंह ने बैठक में कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के फैसले से केंद्र सरकार को बड़ा वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा, लेकिन बावजूद इसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान हित में सरकार किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शिवराज सिंह बोले- खरीद सही तरीके से हो: शिवराज ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि खरीद सही तरीके से हो। किसानों से सीधे खरीद से ही बिचौलियों की सक्रियता कम होगी और लाभ सही मायनों में किसान तक पहुंच पाएगा। अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिकतम व कारगर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ किसानों के पंजीकरण की उचित व्यवस्थाएं की जाएं। आवश्यकता हो तो खरीद केंद्रों की संख्या में भी इजाफा करें व उचित और पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीद सुनिश्चित करें।

भंडारण को लेकर मिली शिकायतों पर चिंता जताई: शिवराज सिंह चौहान ने भंडारण को लेकर मिल रही अनियमितताओं की शिकायत को लेकर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों व कृषि मंत्रियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के प्रयास करने की बात कही। शिवराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री से कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में हरसंभव काम करेगी।

दिग्विजय सिंह ने लिखा लेटर- मूंग खरीदी सही प्रक्रिया से हो: आज सुबह पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मप्र के सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मूंग खरीदी की प्रक्रिया को सही तरीके से लागू करने की मांग की है।

दिग्विजय ने अपने पत्र में लिखा-मैंने 12 मई को पत्र लिखकर आपको पहले अवगत कराया था कि मप्र में इस साल (2025) में करीब साढ़े 14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग की बुवाई की गई है। मप्र में 20-21 लाख टन मूंग उत्पादन की संभावना बताई गई थी।

राज्य की तरफ से केंद्र को खरीदी करने के लिए प्रस्ताव भेजने, गिरदावरी और पंजीयन करने और खरीदी की व्यवस्था में सुधार का उल्लेख किया था, इसके बावजूद राज्य सरकार के एपीसी द्वारा मूंग में वीडिसाइड पाए जाने का हवाला देते हुए एमएसपी पर खरीदी से इनकार किया गया, जो कि न केवल अव्यावहारिक था, बल्कि किसानों के हितों के प्रतिकूल भी था। इसके कारण बाजार में मूंग के दामों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। दिग्विजय ने आगे लिखा- इस असंवेदनशील निर्णय के खिलाफ 32 से ज्यादा मूंग उत्पादक जिलों के किसान, किसान संगठन एवं कांग्रेस पार्टी द्वारा व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद अंततः राज्य सरकार द्वारा मूंग की एमएसपी पर खरीदी की घोषणा की गई। मैं इस फैसले का स्वागत करते खरीदी प्रक्रिया को लेकर सुझाव दे रहा हूं।

आर्मी फायरिंग रेंज में जवान पर गिरा डमी बम, मौत

भोपाल में ड्रोन से बम गिराने की ट्रेनिंग ले रहे थे ; 400 फीट ऊंचाई से गिरा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में सूखी सेवनिया क्षेत्र के आर्मी फायरिंग रेंज में ड्रोन से ट्रेनिंग के दौरान लोहे का डमी बम एक जवान के सिर पर गिर गया। हादसे में जवान की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार शाम सेना के जवान ड्रोन से बम गिराने की ट्रेनिंग ले रहे थे। इसी बीच यह हादसा हो गया। बम का वजन करीब 4 किलो से ज्यादा था और यह 400 फीट की ऊंचाई से गिरा था। बम सीधे जवान के सिर पर गिरा, जिससे उसे गंभीर चोट लगी। उसे तुरंत सेना के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तकनीकी गड़बड़ी या मानवीय चूक: जानकारी के मुताबिक, मृतक जवान का नाम विजय सिंह (उम्र 37 साल) है। वह उत्तराखंड के रहने वाले थे और भोपाल के बैरागढ़ में सेना कार्यालय में हवलदार के पद पर तैनात थे। सोमवार को वह एक नियमित ट्रेनिंग के लिए फायरिंग रेंज पहुंचे थे।

यहां सेना के जवानों को ड्रोन से बम गिराने और उससे बचाव की तकनीक सिखाई जा रही थी। फायरिंग रेंज में उड़ान भर रहे एक ड्रोन में लोहे का डमी बम रखा गया, जिसे एक निर्धारित स्थान पर गिराया जाना था। लेकिन बम जवान विजय सिंह के ऊपर गिर गया। अब यह तकनीकी गड़बड़ी है या मानवीय चूक जांच कर पता लगाया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही सूखी सेवनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एएसआई केएस यादव ने बताया कि पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग कायम कर लिया गया है। शव का पोस्टमार्ट्म सेना अस्पताल में कराया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि हादसा तकनीकी चूक के कारण हुआ या सुरक्षा मानकों की अनदेखी से। सेना के कई अधिकारी भी जवान के पोस्ट मार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंगलवार को वाराणसी में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से सौजन्य भेंट हुई। मुख्यमंत्री 25वीं मध्य क्षेत्रीय परिषद् की बैठक में शामिल होने के लिए वाराणसी प्रवास पर है।

भोपाल-इंदौर हाईवे पर टोल प्लाजा में मारपीट, डंडे-फावड़े चले

सीहोर में 2 घायल, एक की हालत गंभीर, 10 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर

सीहोर (नप्र)। सीहोर के अमलाहा टोल प्लाजा पर गाड़ी मालिकों और कर्मचारियों के बीच मारपीट हो गई। डंडे-फावड़े चल गए। झड़प में दो लोग घायल हो गए। एक की स्थिति गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। घटना सोमवार शाम 4.40 बजे की है। पुलिस ने आष्टा, हकीमाबाद और सीहोर के 10 से ज्यादा लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सब इंस्पेक्टर अविनाश भोपले के अनुसार, वाहन मालिकों ने नाके से फ्री में गाड़ी निकलवाने की बात कही। इस पर टोल कर्मचारियों ने आपत्ति जताई। बात बहस से बढ़ते हुए मारपीट पर पहुंच गई। 20 से ज्यादा लोगों ने टोलकर्मियों पर डंडों और फावड़ों से हमला कर दिया। टोल ऑफिस में घुसकर तोड़फोड़ भी की। झड़प के दौरान टोल बूथ पर मौजूद बच्चा रोने लगा सोमवार को एक टोलकर्मी अपने बच्चे को लेकर ड्यूटी पर आया था। जिस वक्त झड़प हुई, बच्चा मौके पर मौजूद था। मारपीट देखकर वह डर गया और रोने लगा।

घायल बोले- ज्यादा पैसे मांगे, आपत्ति जताई तो पीटा

घटना में घायल रोहित नाथ ने कहा, टोल मैनेजमेंट ने एक दर्जन से ज्यादा बाउंसर तैनात कर रखे हैं, जो यात्रियों के साथ अक्सर दुर्व्यवहार करते हैं। हमसे टोल पर तय राशि से ज्यादा रुपए मांगे गए। आपत्ति ली तो उनके बाउंसर्स ने मारपीट की। टोल मैनेजमेंट ने उनके बाउंसर्स द्वारा की गई मारपीट के फुटेज पुलिस को नहीं दिए हैं। सब इंस्पेक्टर अविनाश भोपले ने बताया- अभी सिर्फ टोल टैक्स मैनेजमेंट की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है।

विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से

8 अगस्त तक चलेगी कार्यवाही, 12 दिनों में होंगी दस बैठकें, नोटिफिकेशन जारी

भोपाल (नप्र)। विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा और 8 अगस्त तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। विधायक इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन सवाल विभागों के बारे में पूछ सकेंगे। मानसून सत्र में राज्य सरकार विधेयक के साथ पहला अनुपूरक बजट भी लाएगी जिसे सदन में मंजूरी दी जाएगी। इसको लेकर तीन दिन पहले मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के बीच मुलाकात हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 3 दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से उनके बंगले पर मिलने पहुंचे थे। इस दौरान दोनों के बीच विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर अंतिम चर्चा हुई थी। इसके बाद सत्र बुलाने को लेकर राज्यपाल से मंजूरी ली गई है। इसके बाद विधानसभा सत्र को लेकर अधिसूचना विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी कर दी गई है। विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होगा जो 8 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र 12 दिनों में दस बैठकें होंगी। विधानसभा प्रश्न लगाने के लिए विधायकों को अलग-अलग विभागों के लिए अलग-अलग तिथियां तय की गई हैं। 11 जुलाई तक विभागों से संबंधित सवाल लगाए जा सकेंगे।

विधायकों को मिल सकते है टैबलेट: विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही को पिछले साल ई-विधान से जोड़ने का फैसला किया गया था। ऐसे में 28 जुलाई से होने वाले सत्र में ई-विधान के चलते विधायकों को टैबलेट दिए जा सकते हैं। इसमें सदन सभी जानकारी के साथ प्रश्नोत्तरी, प्रदेश सरकार का बजट, विभागीय प्रतिवेदन समेत अन्य जानकारी डिजिटल फार्मेट में उपलब्ध रहेगी। विधायकों को तकनीकी के आधुनिक सेवाओं से जोड़ने की प्रक्रिया में यह बड़ा कदम बताया जा रहा है। एनआईसी द्वारा इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष पिछले माह प्रजेंटेशन भी दिया जा चुका है।

पिछले साल 1 जुलाई से शुरू हुआ था मानसून सत्र

मोहन यादव सरकार में पिछले साल विधानसभा का मानसून सत्र एक जुलाई से शुरू हुआ था। इसके लिए 19 जुलाई तक का समय तय किया गया था। हालांकि सत्र समय से पहले समाप्त हो गया था। इस सत्र में कुल 14 बैठकें तय की गई थीं। लोकसभा चुनाव के चलते मार्च 2024 में सरकार का बजट नहीं आ सका था। इसलिए मानसून सत्र के दौरान तीन जुलाई को मोहन सरकार का पूर्ण बजट आया था। इसके पहले फरवरी में सरकार ने लेखानुदान पारित कर चार माह के बजट का इंतजाम किया था।

ऐसे चलेगी विधानसभा की कार्यवाही

तारीख कार्यवाही

28 जुलाई प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
29 जुलाई प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
30 जुलाई प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
31 जुलाई प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य

एक अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय, अशासकीय कार्य

2 अगस्त शनिवार अवकाश
3 अगस्त रविवार अवकाश
4 अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
5 अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
6 अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
7 अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य
8 अगस्त प्रश्नोत्तर, शासकीय-अशासकीय कार्य

नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये आय बढ़ाने के हों ठोस प्रयास

नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त भोंडवे ने की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने सोमवार को जबलपुर में नगरीय निकायों के अधिकारियों की संभागीय बैठक में निर्देश दिये कि नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसी के साथ नगरीय निकायों के प्रबंधन से जुड़े खर्चों में कमी लायी जाये। बैठक में नगरीय क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की गई। आयुक्त श्री भोंडवे ने बैठक में उपस्थित मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की मंशा के अनुसार निकायों की कार्य पद्धति में सुधार लायें। निकाय के सभी कार्यों में पारदर्शिता रखी जाये। विद्युत व्यय में कमी लाने के लिये एनर्जी ऑडिट निरंतर किया जाना सुनिश्चित किया जाये। बैठक में केन्द्र सरकार की योजनाएं जिनमें अमृत 1.0 और 2.0, इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना और स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटी जबलपुर 2.0 के साथ राज्य शासन की कायाकल्प, मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना, अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि केन्द्र से मिलने वाली राशि का सही रूप में उपयोग किया जाये। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों के निराकरण की स्थिति, वेतन भुगतान, निकायों में 15वें और 16वें वित्त आयोग के संबंध में की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गई।

जमीनी स्तर पर हो निगरानी

आयुक्त नगरीय प्रशासन ने नगर पालिका अधिकारियों को चेतावनी दी कि नगरीय निकायों का अमला जमीनी स्तर पर कार्यक्रमों की निगरानी करे। उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार अधोसंरचना से जुड़े कार्यों में लेट-लतीफी कर रहे हैं, उन्हें ब्लेक लिस्टेड करने की कार्रवाई शीघ्र की जाये। आयुक्त ने निकायों में अधूरे पड़े आवासों के कार्यों में तेजी लाकर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर आयुक्त डॉ. परीक्षित झाड़े भी उपस्थित थे।